हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

# मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 307 बेमेतरा, शुक्रवार 03 जुलाई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 1 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

## संक्षिप्त समाचार

### विजयवर्गीय के पत्र से मचा सियासी भूचाल, बोले- इंदौर के साथ हुआ असहयोग

**इंदौर।** मध्य प्रदेश की राजनीति में उस वक्त हड़कंप मच गया जब नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को लिखा गया एक बेहद तल्ख पत्र सामने आया। 20 जून को लिखे इस पत्र में विजयवर्गीय ने इंदौर के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने सीधे शब्दों में कहा है कि पिछले ढाई साल से उन्हें लगातार असहयोग, उपेक्षा और विरोध का सामना करना पड़ रहा है। कैबिनेट मंत्री ने चेतावनी भरे लहजे में लिखा कि यदि इंदौर के इन गंभीर मुद्दों का समाधान जल्द नहीं हुआ, तो जनता के हितों के लिए अपनी आवाज को सार्वजनिक मंच पर उठाना उनकी मजबूरी बन जाएगा। मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में कैलाश विजयवर्गीय ने अपना दर्द बयां करते हुए लिखा कि प्रदेश के मुखिया और इंदौर जिले के प्रभारी मंत्री होने के नाते उन्हें सरकार से पूरा सहयोग मिलने की उम्मीद थी, लेकिन इसके विपरीत उन्हें हर स्तर पर उपेक्षा ही हाथ लगी।

### व्हाट्सएप-टेलीग्राम जैसी सोशल मीडिया कंपनियों पर एक्शन की चेतावनी

**नई दिल्ली।** देशभर में डिजिटल का बढ़ता क्षेत्र जहां एक ओर काम को आसान और पारदर्शी बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है। वहीं दूसरी ओर इससे साइबर अपराध बढ़ने का खतरा भी सातवें आसमान पर है। कारण है कि भारत में सरकारी सेवाएं, परीक्षाएं और जन-कल्याणकारी योजनाएं लगातार डिजिटल हो रही हैं। ऐसे में अब केंद्र सरकार ने इस मामले में सख्त रुख अपनाया है। केंद्र ने साफकर दिया है कि साइबर सुरक्षा अब सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक है। हालांकि, अधिकारियों ने यह भी चेतावनी दी है कि दुनिया का कोई भी डिजिटल सिस्टम हमेशा के लिए 100 प्रतिशत सुरक्षित नहीं हो सकता। हाल ही में सरकारी डिजिटल सिस्टम्स को लेकर बढ़ी चिंताओं और दोबारा परीक्षा के दौरान टेलीग्राम पर की गई कार्रवाई का जिक्र करते हुए अधिकारियों ने यह बात कही। बता दें कि परीक्षा के दौरान धोखाधड़ी और पेपर लीक के फर्जी दावों को रोकने के लिए सरकार ने कुछ समय के लिए टेलीग्राम पर पाबंदियां लगाई थीं

### भरूच में शॉपिंग मॉल की निर्माणाधीन दीवार मकान पर गिरी

**अहमदाबाद।** गुजरात के भरूच शहर में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। जहां एक शॉपिंग माल की दीवार अचानक गिरने से बड़ा हादसा हो गया। यहां के अली मतरिया तालाब इलाके में 'वर्ल्ड ट्रेड सेंटर' शॉपिंग मॉल की एक निर्माणाधीन दीवार अचानक ढह गई, जिसका मलबा पास के एक मकान पर जा गिरा। इस दर्दनाक हादसे में मकान के भीतर मौजूद द पिता और पुत्र की मलबे में दबने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और अग्निशमन दलों की टीम मौके पर पहुंची।

जापानी पीएम का भारत दौरा

# पीएम मोदी बोले-भारत की विकास यात्रा में जापान अहम

- पीएम ताकाइची ने कहा- 'बहन' कहने के लिए शुक्रिया

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के बीच गुरुवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय बैठक शुरू हुई। दोनों नेताओं के बीच निवेश, रक्षा, सेमीकंडक्टर, क्रिटिकल मिनरल्स, सप्लाई चेन, समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय-वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हो रही है। इस द्विपक्षीय वार्ता के बाद पीएम मोदी और जापानी पीएम ताकाइची ने साझा बयान जारी किया है। पीएम मोदी ने कहा कि, प्रधानमंत्री ताकाइची का भारत में स्वागत है। पीएम ने कहा कि, भारत की विकास यात्रा में जापान अहम भूमिका निभा रहा है। गौरतलब है कि, पीएम मोदी ने जापानी प्रधानमंत्री को बहन करके सबोधित किया जिसपर पीएम ताकाइची ने उनका शुक्रिया अदा किया। हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सना तकाइची की मौजूदगी में दोनों देशों ने कई मेमोरेंडम ऑफ कोऑपरेशन पर हस्ताक्षर किए। यह बैठक 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन का हिस्सा है। इससे पहले राष्ट्रपति भवन में ताकाइची का औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। साने ताकाइची प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली बार भारत आई हैं। तीन दिवसीय दौरे के दौरान वह इंडिया-जापान बिजनेस फेरम में भी हिस्सा लेंगी, जहां दोनों देशों के बीच निवेश और आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर फोकस रहेगा। संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सना तकाइची का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें अपनी छोटी बहन बताते हुए कहा, प्रधानमंत्री तकाइची, मेरी छोटी बहन, दोनों देशों के प्रतिनिधियों और मीडिया के साथियों का मैं स्वागत करता हूं। भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए उनकी पहली भारत यात्रा पर मुझे बेहद खुशी है। पीएम मोदी ने कहा कि सना तकाइची जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री हैं और एक दूरदर्शी नेता हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनका नारा प्रांत भारत और जापान की साझा बौद्ध विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के रिश्तों पर जोर देते हुए कहा, कुछ ही दिन पहले जी7 शिखर सम्मेलन में मैंने कहा था कि वैश्विक उथल-पुथल के इस दौर में आपसी विश्वास हमारी सबसे बड़ी रणनीतिक ताकत है। मुझे गर्व है कि भारत-जापान की साझेदारी इस कसौटी पर पूरी तरह खरी उतरती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले कई दशकों में ऑटोमोबाइल से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स तक जापान ने भारत के विकास में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, आज प्रधानमंत्री ताकाइची की इस यात्रा के साथ हम अपनी विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी का एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने रक्षा सहयोग, फार्मास्युटिकल क्षेत्र, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सप्लाई चेन, निवेश और उभरती तकनीकों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

### दोनों देशों में रिश्तों का नया अध्याय

संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेहद आत्मीयता के साथ सनाए ताकाइची का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ताकाइची, मेरी छोटी बहन, भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए उनकी पहली भारत यात्रा पर मुझे बेहद खुशी है। प्रधानमंत्री ने ताकाइची को एक दूरदर्शी नेता बताया और कहा कि उनके नेतृत्व में भारत और जापान की रणनीतिक साझेदारी अब एक नए और सुनहरे अध्याय में प्रवेश कर रही है।

सीमा विवाद पर नरम पड़ा नेपाल

## भारत से बातचीत को हमेशा तैयार-शिशिर..

नेपाल/ एजेंसी

नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने सीमा विवाद को सुलझाने के लिए एक बहुत ही सकारात्मक रुख अपनाया है। उन्होंने संसद के ऊपरी सदन में बयान देते हुए कहा कि नेपाल हमेशा से भारत के साथ कूटनीतिक बातचीत के जरिए इस मुद्दे को हल करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। खनाल ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच मौजूद बहुत ही मजबूत और करीबी रिश्तों पर विशेष रूप से जोर दिया। नेपाल सरकार ऐतिहासिक समझौतों और नक्शों के आधार पर ही इस पुराने मसले का शांतिपूर्ण समाधान पूरी तरह से चाहती है। नेपाल के विदेश मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार भारत और नेपाल के बीच मौजूद करीबी संबंधों और संवेदनाओं का हमेशा से पूरा सम्मान करती है।

अरुणाचल प्रदेश के केयी पान्योर ज़िले में हाल की बाढ़ से भारी नुकसान हुआ है।

हम ही असली टीएमसी हैं

## चुनाव आयोग पहुंचा बागी गुट ने किया दावा-ऋतब्रत

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट ने प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त समेत अन्य आयुक्तों से मुलाकात किया। इसके बाद बागी गुट के नेता और विधानसभा में विपक्ष के नेता ऋब्रत बनर्जी ने पार्टी में नियंत्रण को लेकर बड़ा दावा किया है। ऋब्रत बनर्जी ने अपने गुट को असली टीएमसी होने का दावा किया। उन्होंने बताया कि संगठन का दो-तिहाई हिस्सा उनके साथ है, ज्यादातर पार्षद, विधायक और जिला परिषद सदस्य हमारे साथ हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता ऋब्रता बनर्जी ने मीडिया से बातचीत के दौरान टीएमसी के प्रतिनिधिमंडल द्वारा चुनाव आयोग से मुलाकात करने पर बताया कि जून महीने की 22 तारीख को कोलकाता में हमारा एक प्रतिनिधि सत्र आयोजित हुआ।

तमिलनाडु में विजय की सरकार गिराने की कोशिश नाकाम

## 35-35 करोड़ में खरीदे जा रहे थे टीवीके विधायक तीन गिरफ्तार...

नई दिल्ली/ एजेंसी

तमिलनाडु में हुए सत्ता परिवर्तन के कुछ दिनों बाद ही सीएम जोसेफ विजय की नेतृत्व वाली टीवीके सरकार को तोड़ने की चर्चाओं का बाजार गरम है। टीवीके के एक विधायक को सरकार से समर्थन वापस लेने के लिए कथित तौर पर 35 से 50 करोड़ रुपये तक की पेशकश किए जाने के मामला सामने आया है। इस केस में सख्त एक्शन लेते हुए तमिलनाडु पुलिस ने बुधवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। राज्य में शुरू हुई सियासी हलचल को देखते हुए मुख्यमंत्री विजय ने बुधवार को चेन्नई में सरकार के सहयोगी दलों के साथ एक इमरजेंसी बैठक की। वहीं, एमके स्टालिन की नेतृत्व वाली विपक्षी पार्टी डीएमके ने इन आरोपों को नकारते हुए मामले की हाई लेवल जांच की मांग की है। टीवीके विधायक एन. इलैयाराजा द्वारा पुलिस को दी गई शिकायत में आरोप है कि विधानसभा में एक प्रस्तावित एक प्रस्ताव के खिलाफ में वोट के बदले 35 करोड़ रुपये की ऑफर दी गई। पुलिस को दी गई शिकायत के मुताबिक, थिरुनावुक्कारसु नाम के व्यक्ति ने टीवीके विधायक से संपर्क किया था। उसने खुद को इंडियन पॉलिटिकल डेमोक्रेटिक स्ट्रेटेजीज नामक एक राजनीतिक फर्म का सदस्य बताया था। विधायक इलैयाराजा का आरोप है कि जब उनके द्वारा इस ऑफर को ठुकाराया गया, तो आरोपी ने उन्हें और उनके परिवार को गंभीर अंजाम भुगतने की धमकी दी। विधायक की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए थिरुनावुक्कारसु और उसके दो साथियों नरेश और त्यागराजन को अरेस्ट कर लिया है।

### बिजली गिरने से 2 किसानों की मौत, उफनती नदी में बही कृषि मशीनें, पंधाना मार्ग बहा

**खंडवा।** पिछले कई दिनों से जारी तेज बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त करना शुरू कर दिया है। खंडवा-पंधाना निर्माणाधीन मार्ग पर बनाई गई सर्विस रोड बहने से सड़क मार्ग काफी देर तक प्रभावित हुआ। वहीं खंडवा जिले में आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि जसवाड़ी में नदी के तेज बहाव में कृषि मशीन और दो कल्टीवेटर बह गए। कई जगह पुल-पुलिया के ऊपर से पानी बहने के बावजूद लोग जोखिम लेते हुए इससे पार करते दिखे। खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने कहा कि जिला प्रशासन पूरी तरीके से इमरजेंसी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

भारत-पाक विभाजन पर बोले आरएसएस

## वो शरणार्थी नहीं, धर्म के योद्धा थे! मोहन भागवत

नई दिल्ली/ एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने विभाजन के दर्द और विस्थापितों के संघर्ष को लेकर एक बड़ा और महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 1947 में देश के बंटवारे के समय जो लोग पाकिस्तान से सब कुछ छोड़कर भारत आए, उन्हें शरणार्थी कहना बिल्कुल गलत होगा। वे शरणार्थी नहीं, बल्कि अपनी मातृभूमि और धर्म के प्रति अगाध प्रेम के कारण भारी कष्ट सहने वाले संघर्ष के योद्धा थे। मोहन भागवत गुरुवार को नागपुर में सिंधी समुदाय द्वारा संचालित सिंधु एजुकेशन सोसायटी के 75वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सिंधी समाज और अन्य विस्थापितों के साहस को नमन किया। मोहन भागवत ने कहा कि 1947 में बंटवारे के समय जो लोग पाकिस्तान से भारत आए, वे शरणार्थी नहीं थे, बल्कि वे संघर्ष के योद्धा थे। उन लोगों ने मातृभूमि और धर्म के प्रति अपने प्रेम और लगाव के कारण भारी कष्ट और पीड़ा सही। उन्होंने कहा कि मातृभूमि से प्रेम के कारण इन लोगों ने पाकिस्तान में अपनी पुरखों की मेहनत से अर्जित संपत्ति, जमीन और कारोबार छोड़कर भारत में आने का निर्णय लिया। मोहन भागवत ने कहा कि भारत-पाकिस्तान बंटवारे के समय किसी मजबूरी के चलते नहीं, बल्कि लोगों ने सोच-समझकर सीमा पार से भारत आने का फैसला किया, क्योंकि वो पाकिस्तान में नहीं, बल्कि भारत में रहना चाहते थे।

कावेरी कंपनी की साइट पर बड़ा हादसा

# 100 फीट ऊपर से गिरा विशाल पत्थर....9 मजदूरों की मौत...

नई दिल्ली/ एजेंसी

कर्नाटक के बेंगलुरु में गुरुवार सुबह एक बड़ा हादसा हुआ, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई। मडापट्टना के पास एक पत्थर की खदान में एक बड़ा पत्थर गिरने से 9 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। रिपोर्टों के अनुसार, मजदूर कावेरी कंपनी के लिए काम कर रहे थे। हादसे के समय सभी मजदूर साइट पर मौजूद थे, तभी लगभग 100 फीट ऊपर चल रही एक हिताची मशीन से गलती से एक पत्थर गिर गया। हादसे के समय वहां 15 से 20 मजंदूर मौजूद थे। घटना की जानकारी मिलते ही तवारेकेरे पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शुरुआती रिपोर्ट से पता चलता है कि ऑपरेटर नीचे काम कर रहे मजदूरों को देख नहीं पाया था। इस कारण यह हादसा हुआ। पुलिस के अनुसार, मृतकों में बिहार और असम के मजदूर शामिल है, जो यहां मजदूरी करते थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, 100 फीट ऊंचाई से गिरे इस चट्टान से मजदूरों को मौका भी नहीं मिला और वे इस की चपेट में आ गए। हादसे में वहां मौजूद कई मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायल मजदूरों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। बताया गया है कि पीड़ित बिहार के प्रवासी मजदूर हैं, जबकि कुछ घायल मजदूर कर्नाटक के हैं। पांच मजदूरों को गंभीर चोटें आईं और उन्हें इलाज के लिए आरआर अस्पताल ले जाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पत्थर के अचानक गिरने से पहले मजदूरों को कोई चेतावनी नहीं मिली थी। एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा, यह

घटना सुबह करीब 5 बजे हुई जब मजदूर ड्यूटी पर थे। कुछ लोग सुरक्षित भागने में सफल रहे, कुछ घायल हो गए और अन्य पत्थर के नीचे दब गए। ऐसा नहीं लगा कि पत्थर ब्लास्टिंग की वजह से गिरा। यह अचानक तब गिरा जब मजदूर अपना रोजमर्रा का काम कर रहे थे। एक अन्य मजदूर विनोद ने बताया कि घटना के समय पीड़ित नाइट शिफ्ट के बाद काम संभाल रहे थे। उन्होंने कहा, जब पत्थर गिरा, तो कई मजदूर उसके नीचे दब गए। कुछ के पैर कट गए, तो कुछ के हाथ। हम उन्हें बचाने के लिए कुछ नहीं कर पाए। मैं एक मशीन चला रहा था और उस जगह से लगभग 10 मीटर दूर था। पीड़ित खदान में ड्रिलिंग कर रहे थे और उन्हें अपने ऊपर मौजूद पत्थर का पता नहीं चला। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों के शव अभी पत्थरों के नीचे से निकाले जाने बाकी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि गिरने के दौरान कई भारी पत्थरों ने खुदाई करने वाली मशीनों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। फिलहाल, बचाव अभियान जारी है। पुलिस और बचाव दल की टीमें फंसे हुए मजदूरों की तलाश में मलबा हटा रहे हैं। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और जिला प्रशासन के अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। इस घटना पर मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, यह बहुत दुखद है कि दक्षिण बेंगलुरु तालुक के मदपट्टना में चट्टान के टूटने से 7 मजदूरों की मौत हो गई।

### जिम्मेदार लोगों पर होगी कार्रवाई-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार?

कर्नाटक की बेंगलुरु के पास स्थित एक पत्थर खदान में गुरुवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक चट्टान गिरने से काम कर रहे सात मजदूरों की मौत हो गई। इसके अलावा कई और मजदूरों के दबे होने की बात की जा रही है। इसी बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने घटना को लेकर दुख जताया है। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि, बेंगलुरु दक्षिण तालुक स्थित मदपट्टना में एक क्रशर की दीवार गिरने से 7 मजदूरों की मौत हो गई है, जिससे बहुत दुख हुआ है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों का बख्शा नहीं जाएगा। डीके शिवकुमार ने पोस्ट करते हुए कहा कि, खदान में हुए हादसे की घटना से मैं अत्यंत दुखी हूं। मैं प्रार्थना करता हूं कि मारे लोगों की आत्मा को शांति मिले।

# जिला पंचायत सीईओ ने बनसिया-ननसिया के बायोगैस प्लांट का किया निरीक्षण, प्लांट को शीघ्र पूर्णत: क्रियाशील बनाने, पाइपलाइन विस्तार कर अधिक घरों तक गैस सुविधा पहुंचाने के निर्देश

## स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और ग्रामीणों को अधिकतम लाभ दिलाने पर जोर



**रायगढ़/मूक पत्रिका**

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने तथा बायोगैस परियोजनाओं के प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला पंचायत रायगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिजीत बबन पठारे ने आज ग्राम पंचायत बनसिया-ननसिया में स्थापित बायोगैस प्लांट का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने प्लांट की वर्तमान कार्यशील स्थिति, गैस उत्पादन क्षमता, पाइपलाइन व्यवस्था एवं लाभार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का विस्तार से जायजा लिया तथा अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान सीईओ पठारे ने ग्राम पंचायत सचिव, सरपंच एवं रोजगार सहायक को निर्देशित किया कि बायोगैस प्लांट में आवश्यक तकनीकी एवं संरचनात्मक सुधार प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किए जाएं, ताकि प्लांट को पूरी तरह कार्यशील बनाकर ग्रामीणों को नियमित रूप से गैस की सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने कहा कि शासन की इस महत्वपूर्ण योजना का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को स्वच्छ एवं सुलभ ईंधन उपलब्ध कराना है, इसलिए इसके संचालन में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि वर्तमान पाइपलाइन नेटवर्क का विस्तार कर अधिक से अधिक पात्र परिवारों तक गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने की कार्यवाही समयबद्ध ढंग से पूरी की जाए। इससे न केवल ग्रामीणों को स्वच्छ ईंधन मिलेगा, बल्कि पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता कम होगी और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। सीईओ श्री पठारे ने बायोगैस प्लांट के नियमित संचालन, रख-रखाव एवं सतत मॉनिटरिंग पर विशेष जोर देते हुए कहा कि सभी संबंधित अधिकारी समय-समय पर निरीक्षण कर प्लांट की कार्यप्रणाली की समीक्षा करें, ताकि किसी भी तकनीकी समस्या का त्वरित समाधान किया जा सके। उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है और बायोगैस प्लांट ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा सतत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रायगढ़, उप संचालक पंचायत, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत तथा क्लस्टर कोऑर्डिनेटर भी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक सुधारात्मक कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने तथा योजना का लाभ अधिक से अधिक ग्रामीण परिवारों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

# भाजपा सरकार संवेदनहीन हो चुकी है: आशीष छाबड़ा




**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं बेमेतरा के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने धरसीवा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नकटी में विधायक निवास बनाने के लिए ग्राम नकटी में प्रशासन द्वारा खाली कराए जा रहे मकान पर कहा कि भाजपा की यह सरकार मानवता को भूल चुकी है संवेदनाहीन हो चुकी है भरी बरसात में लोगों के सर से छत छीनी जा रही है और बदले में नया रायपुर सेक्टर 30 में जो अस्थाई व्यवस्थापन किया गया है वह सिर्फ खानापूर्ति है सेक्टर 30 में 1 बीएचके के फ्लैट में सम्मिलित परिवारों को रहने के लिए जगह दी गई है जबकि सम्मिलित परिवार में कई दंपतियों होती है ऐसे में एक कमरे में गुजारा कर पाना संभव नहीं है जबकि विधायक निवास बनाने के लिए और भी जगह शासन के पास उपलब्ध थी किंतु मानवता से मुंह मोड़ लेने वाली है भाजपा सरकार को लोगों की संवेदना से कोई लेना-देना नहीं है मात्र इन्हें प्रदेश को कैसे लूटा जा सकता है आम जनता को कैसे परेशान किया जा सकता है यही इस सरकार का मकसद है यही कारण है की बरसात में लोगों को उनके घरों से विस्थापित किया गया है लोगों के खून पसीने की कमाई पर बुलडोजर चलाया गया है एक भी भाजपा का जनप्रतिनिधि विधायक , किए जा रहे कार्रवाई को रोकने के लिए सामने नहीं आया कि इस कार्यवाही को रोका जाए लोगों को इससे नुकसान हो रहा है लोगों का आशियाना ही छिन जाने से न केवल उनके दैनिक कार्यो पर प्रभाव पड़ रहा है बल्कि स्कूल जाने वाले बच्चे भी ऐसी स्थिति में स्कूल नहीं जा पा रहे हैं अमीरों की यह भाजपा सरकार को गरीब और आम जनता से कोई लेना-देना नहीं है इन्हें सिर्फ जल्दी है तो अपने कमिशन और अपने दिखावे से पूर्व में धरसीवा के जनप्रतिनिधियों ने कहा था कि नकटी में किसी प्रकार से विस्थापन की कार्रवाई नहीं की जाएगी किंतु आज वही जनप्रतिनिधियों को नकटी में हो रहे विस्थापन एवं लोगों के घरों में चल रहे बुलडोजर से कोई लेना देना नहीं है आम जनता अपने दर्द से परेशान है बरसात में लोगों का आशियाना उजड़ने से लोग अपनी व्यवस्था किस तरह से कर पाएंगे इसे भी भाजपा सरकार ने नहीं सोचा अगर देखा जाए तो यही स्थिति भाजपा की सरकार के द्वारा किसानों कर्मचारी एवं आम जनता के साथ लगातार पिछले कई वर्षो से किया जा रहा है भाजपा की सरकार संवेदनाहीन सरकार है भाजपा के जनप्रतिनिधियों की आत्माएं मर चुकी है।

# टुरासेमरिया में सिलाई प्रशिक्षण संपन्न, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का मिला संदेश



**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सरकारी वित्त एवं विकास निगम के कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग की बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए आयोजित सिलाई प्रशिक्षण का समापन ग्राम टुरासेमरिया में हुआ।प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन जिला सह-कोषाध्यक्ष (अनुसूचित जाति मोर्चा, भाजपा बेमेतरा) राजू (गुड्डु) पाठक के मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रतिभागी महिलाओं एवं बालिकाओं को सिलाई कौशल के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया।इस अवसर पर राजू (गुड्डु) पाठक ने कहा कि केंद्र एवं राज्य की भाजपा सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कौशल विकास से जुड़ी योजनाओं का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने के उद्देश्य से इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं स्वरोजगार से जुड़कर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकें। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी इस तरह के कौशल विकास प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन कर पात्र हितग्राहियों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास जारी रहेगा।

# रवेली तिवरैया में जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी का 'जबर सदस्यता अभियान', 42 लोगों ने ली सदस्यता



**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी एवं छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना द्वारा ग्राम रवेली तिवरैया में आयोजित ÷जबर सदस्यता अभियान÷ उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में गांव के 42 प्रबुद्ध नागरिकों और बुजुर्गों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण कर छत्तीसगढ़िया अस्मिता, एकता और अधिकारों की लड़ाई को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि छत्तीसगढ़ की माटी, संस्कृति और अधिकारों की रक्षा के लिए ग्रामीणों का बढ़ता समर्थन संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि जनसहभागिता से संगठन को और मजबूती मिलेगी तथा सामाजिक एवं क्षेत्रीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा। बैठक के दौरान नकटी गांव में हुए विनाश और स्थानीय समस्याओं पर भी गंभीर चर्चा की गई। पदाधिकारियों और ग्रामीणों ने क्षेत्र की समस्याओं के समाधान, न्याय और विकास को लेकर आगामी रणनीति पर मंथन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व बेमेतरा शहर अध्यक्ष सूर्या सिंह चौहान, बेमेतरा खंड अध्यक्ष लुकेश्वर साहू तथा ग्रामीण अध्यक्ष कुबेर साहू ने किया। इस दौरान संगठन के अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। बैठक के समापन पर सभी ने एकजुटता का संकल्प लेते हुए नारे लगाए– ÷जात-पात के करव बिदाई, छत्तीसगढ़िया भाई-भाई÷ तथा *÷हमर संग जुड़व, हमर संग

# मंगेतर के साथ प्रोफेसर के कॉलोनी पहुंची युवती, आपत्तिजनक मैसेज भेजने का लगाया आरोप, लड़की ने जड़े थप्पड़



**रायगढ़/मूक पत्रिका**

रायगढ़ जिले में पड़ोसी युवती ने प्रोफेसर का कॉलर पकड़कर उसे दो थप्पड़ जड़ दिए। युवती का आरोप है कि शासकीय महाविद्यालय के प्रोफेसर रेमन भार्गव ने उस पर सेक्स करने के लिए दबाव बनाया। मना करने पर उसने अश्लील मैसेज भेजे और कॉल करके परेशान करने लगा।मामला लैलूंगा थाना क्षेत्र का है। बुधवार को युवती अपने मंगेतर के साथ प्रोफेसर के कॉलोनी पहुंची थी, जहां उसने हंगामा किया और थप्पड़ जड़े। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। युवती ने थाने में भी लिखित शिकायत दी थी। बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया। जानकारी के मुताबिक, प्रोफेसर रेमन भार्गव लैलूंगा के शासकीय महाविद्यालय कुंजारा में पदस्थ है। युवती उसके पड़ोस में ही रहती है। युवती ने थाने में लिखित शिकायत दी जिसके मुताबिक,प्रोफेसर ने व्हाट्सएप और टेलीग्राम के जरिए अश्लील मैसेज भेजे। पिछले करीब डेढ़ साल से लगातार आपत्तिजनक मैसेज भेजकर उसे परेशान कर रहा था और सेक्स करने का दबाव डाल रहा था।

# धारदार धारदार लोहे का तलवार लहराते हुए एक आरोपी गिरफ्तार



**जगदलपुर /मूक पत्रिका**

पवन कुमार नाग -आरोपी द्वारा जमीन सीमांकन के दौरान धारदार लोहे का तलवार लहराकर आम लोगो को डरा धमकाकर रहा था। थाना नगरनार अंतर्गत ग्राम मारकेल शिवनागुड़ापारा की घटना। गिरफ्तार आरोपी का नाम - विश्वकर्मा कश्यप पिता स्व0 महादेव कश्यप जाति भतरा उम्र 55 वर्ष निवासी मारकेल शिवनागुड़ापारा थाना नगरनार जिला बस्तर छ0ग0 थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने एवं आसामाजिक तत्व के लोगो पर कार्यवाही करने पुलिस अधीक्षक महोदय शलभ कुमार सिन्हा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक माहेश्वर नाग के दिशा निर्देश एवं नगर पुलिस अधीक्षक महोदय सुमीत कुमार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष सिंह के नेतृत्व में थाना स्तर पर टीम गठित किया गया। ग्राम मारकेल शिवनागुड़ापारा में जमीन सीमांकन के दौरान आरोपी विश्वकर्मा कश्यप पिता स्व0 महादेव कश्यप निवासी मारकेल शिवनागुड़ापारा द्वारा धारदार लोहे का तलवार लहराकर आम लोगो को डरा धमकाकर भयभीत कर गांव का माहौल खराब कर रहा था जिसे घेराबंदी कर पकडा गया एवं आरोपी के कब्जे से एक धारदार लोहे का तलवार को बरामद कर जप्त किया गया आरोपी का कृत्य अपराध धारा 25 ,27 आर्म्स एक्ट का पाये जाने से आरोपी को गिरफ्तार कर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया व आरोपी को न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर जैल दाखिल किया गया।महत्वपुर्ण भुमिका अदा करने वाले अधि./कर्म. निरीक्षक संतोष सिंह, प्र आर अजय साहु ,आरक्षक नेलसन टोप्पो विक्रम उरांव ,आरक्षक चालक अविनाश कुमार, का विशेष योगदान रहा हैं।

# ऑपरेशन क्लीन हंट' में रायगढ़ पुलिस की बड़ी सफलता, मानव तस्करी के 4 वर्ष से फरार आरोपी को जशपुर से किया गिरफ्तार, 17 वर्षीय बालिका को बेचने की साजिश में था शामिल

- आरोपी के गृहग्राम जोराडोल में दबिश देकर धरमजयगढ़ पुलिस ने फरार आरोपी को दबोचा
- फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चल रहे अभियान 'ऑपरेशन क्लीन हंट' में लगातार मिल रही सफलता
- 'ऑपरेशन क्लीन हंट के तहत वर्षों से फरार आरोपी भी अब कानून के शिकंजे में आ रहे हैं।' – एसएसपी शशि मोहन सिंह



**रायगढ़/मूक पत्रिका**

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन पर जिले में फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे ÷ऑपरेशन क्लीन हंट÷ के तहत धरमजयगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मानव तस्करी के गंभीर प्रकरण में लगभग चार वर्ष से फरार चल रहे आरोपी रामा चौहान को जिला जशपुर के ग्राम जोराडोल से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। जानकारी के अनुसार दिनांक 28 जून 2022 को थाना धरमजयगढ़ में एक 17 वर्षीय बालिका के गुम होने की रिपोर्ट उसके पिता द्वारा दर्ज कराई गई थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि बालिका 23 जून 2022 की शाम घर से बिना बताए कहीं चली गई थी। परिजनों द्वारा रिश्तेदारों एवं आसपास के क्षेत्रों में तलाश करने के बाद भी उसका पता नहीं चलने पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका व्यक्त करते हुए थाना धरमजयगढ़ में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। इस पर अपराध क्रमांक 109/2022 दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई।

# रायगढ़ जिले के नगरीय निकायों में एल्डरमैन नियुक्ति सूची जारी, निगम सहित सभी निकायों में नामों पर लगी मुहर





**रायगढ़/मूक पत्रिका**

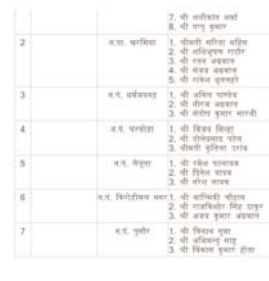

राज्य शासन ने रायगढ़ जिले के नगरीय निकायों में एल्डरमैन (मनोनीत पार्षद) नियुक्ति की बहुप्रतीक्षित सूची जारी कर दी है,लंबे समय से जारी अटकलों पर विराम लगाते हुए, नगर पालिक निगम रायगढ़, नगर पालिका परिषद खरसिया तथा विभिन्न नगर पंचायतों में भाजपा से जुड़े सक्रिय कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को एल्डरमैन के रूप में मनोनीत किया गया है,जारी सूची के अनुसार नगर पालिक निगम रायगढ़ में कुल 8 एल्डरमैन नियुक्त किए गए हैं, इनमें ज्ञानेश्वर गौतम, मनोज शर्मा, मनीष गांधी, प्रदीप श्रृंगी, सुनील थवाईत, संजय जगवानी, शशिकांत शर्मा तथा पप्पु कुमार के नाम शामिल हैं।नगर पालिका परिषद खरसिया में सरिता सहिस, शशिभूषण राठौर, रतन अग्रवाल, संजय अग्रवाल और राकेश धृतलहरे को एल्डरमैन बनाया गया है,नगर पंचायत धरमजयगढ़ में अनिल पाण्डेय, नीरज अग्रवाल एवं संतोष कुमार सारथी को मनोनीत किया गया है, वहीं नगर पंचायत घरघोड़ा में विजय सिन्हा, डोलेप्रसाद पटेल और कुंतिला उरांव को एल्डरमैन की जिम्मेदारी सौंपी गई है,नगर पंचायत लैलूंगा में रमेश पटनायक, दिनेश यादव तथा नरेश नायक को नियुक्त किया गया है। नगर पंचायत किरोड़ीमल नगर में वाल्मिकी चौहान, राजकिशोर सिंह ठाकुर और अजय कुमार अग्रवाल को एल्डरमैन बनाया गया है। इसी प्रकार नगर पंचायत पुसौर में त्रिनाथ गुप्ता, अभिमन्यु साहू और विकास कुमार होता को एल्डरमैन के रूप में मनोनीत किया गया है,सूची जारी होने के बाद नवनियुक्त एल्डरमैनों को समर्थकों, पार्टी कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों द्वारा बधाइयाँ दी जा रही हैं,राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इन नियुक्तियों से स्थानीय स्तर पर संगठन को मजबूती मिलेगी तथा नगरीय निकायों में विकास कार्यो को गति मिलने की उम्मीद है,नियुक्ति की घोषणा के साथ ही संबंधित क्षेत्रों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

## अभ्यारण्य की अनफिट गाड़ियों पर मेहरबानी!

# छत्तीसगढ़ के परिवहन और वन विभाग का दोहरा चरित्र: आम जनता पर जुर्माना




**बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका**

बिलाईगढ़ विधानसभा/छत्तीसगढ़ में कानून की धज्जियां कैसे उड़ाई जाती हैं, इसका सबसे जीता-जागता उदाहरण देखना हो, तो बारनवापारा वन्यजीव अभ्यारण्य चले आइए। जहाँ एक तरफ सूबे का परिवहन विभाग आम गरीब जनता, बाइक चालकों और छोटे व्यापारियों से कागजात के नाम पर चौराहों पर भारी-भरकम जुर्माना वसूलता है, वहीं दूसरी तरफ नाक के नीचे चल रहे एक बड़े गैर-कानूनी खेल पर आंखें मूंदकर बैठा है। सूत्रों से मिली प्राप्त जानकारी के अनुसार' बारनवापारा अभ्यारण्य की 34 जिप्सी वाहनों की सूची की पड़ताल में एक बेहद चौंकाने वाला और गंभीर खुलासा हुआ है। इस सुरक्षित वन क्षेत्र में पर्यटकों को घुमाने वाली अधिकतर जिप्सी गाड़ियों का फिटनेस सर्टिफिकेट सालों पहले दम तोड़ चुका है, और प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र का तो नामोनिशान तक नहीं है!प्रदूषण का गढ़ बना अभ्यारण्य: बिना कष्ट के दौड़ रही हैं गाड़ियाँ

जिस बारनवापारा अभ्यारण्य को वन्यजीवों और पर्यावरण के लिहाज से सबसे शांत और शुद्ध होना चाहिए, वहाँ बिना PUC के धड़ल्ले से गाड़ियाँ दौड़ रही हैं। विषैला धुआं उगलती ये अनफिट गाड़ियाँ न सिर्फ पर्यावरण को नुकसान पहुँचा रही हैं, बल्कि अभ्यारण्य के मूक वन्यजीवों के स्वास्थ्य के साथ भी सरेआम खिलवाड़ कर रही हैं। इस गंभीर मामले पर जब 'मीडीया' की टीम ने बारनवापारा अभ्यारण्य की महिला अधीक्षक से तीखे सवाल किए, तो उन्होंने विभाग का जो पक्ष (वर्ज़न) रखा, वह खुद कई खामियों को उजागर करता है. जिम्मेदार अधिकारी का वर्ज़नः गोलमोल जवाब या मजबूरी?1. 13 साल से अनफिट गाड़ियों के संचालन परःजब हमारी टीम ने पूछा कि 34 जिप्सियों में से अधिकांश का पीयूसी और फिटनेस खत्म है (यहाँ तक कि कुछ का फिटनेस 4 नवंबर 2013 को ही समाप्त हो चुका है), तो उन्होंने कहाः

÷मैंने अभी अप्रैल में ही यहाँ का कार्यभार संभाला है। इस विषय को लेकर पिछले और इस महीने भी हमने जिप्सी संचालकों की मीटिंग ली है और उन्हें फिटनेस प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। चूंकि ये स्थानीय लोग हैं, और अभी पर्यटन का सीजन चल रहा है, इसलिए उन्होंने थोड़ा वक्त मांगा है। पूर्व में क्या कार्रवाई हुई है, उसका पूरा डेटा मैं निकलवा रही हूँ।÷

2. पर्यटकों की सुरक्षा और बिना जाली (नेट) की गाड़ियाँः

सफारी गाड़ियों में सुरक्षा जाली न होने से पर्यटकों पर वन्यजीवों के हमले का खतरा हमेशा बना रहता है। इस पर अधिकारी का तर्क थाः

÷हम पर्यटकों को कोर एरिया में लेकर ही नहीं जाते हैं। हमारा सफारी रूट पूरी तरह से सुरक्षित है। यहाँ मुख्य रूप से हिरण और नीलगाय की साइटिंग होती है, भालू भी बहुत रेयर दिखते हैं। मेरे कार्यकाल में अब तक वन्यजीव हमले की कोई अप्रिय घटना सामने नहीं आई है।÷

3. राष्ट्रीय पक्षी के मयूर पंख ले जाते दिखे पर्यटकः

अभ्यारण्य से बाहर आते पर्यटकों के पास मयूर पंख मिलने के वीडियो साक्ष्य पर अधीक्षक ने कहाः÷यह मामला हमारे संज्ञान में है और इसकी जांच चल रही है। कुछ पर्यटकों ने अज्ञानतावश नीचे गिरे हुए पंख उठा लिए थे। एक मामले में पंख गाड़ी के नीचे आ रहा था, तो उसे सुरक्षित उठाकर ऑफिस में जमा करा दिया गया है। मैंने संबंधित प्रभारियों को लेटर लिखा है और जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।÷

आखिर किसके शह पर चल रहा है यह 'दोहरा कानून'?

छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा और बेबाक सवाल आज यही है कि क्या इस राज्य में दो तरह का कानून चलता है?

पहला कानूनङ्क आम गरीब और मध्यमवर्गीय जनता के लिए, जिनकी गाड़ी का एक कागज़ भी कम हो तो परिवहन विभाग की टीम गिद्ध की तरह झपट पड़ती है और चालान काट देती है।

दूसरा कानूनङ्क रसूखदारों और सरकारी तंत्र की नाक के नीचे चल रहे सफारी संचालकों के लिए, जिनके पास न फिटनेस है और न ही प्रदूषण का सर्टिफिकेट, फिर भी उनके लिए हरी झंडी है।

÷वाह परिवहन विभाग और वन विभाग! क्या आप खुद को देश के संविधान और कानून से भी बड़ा समझते हैं?÷

'मिडिया' का सीधा सवालः कब होगी वैधानिक कार्रवाई?

यह सिर्फ गाड़ियों के कागजात का मामला नहीं है, यह आम जनता के भरोसे और कानून के इकबाल का मामला है। भले ही वर्तमान अधिकारी नई व्यवस्थाओं और जांच का हवाला दे रहे हैं, लेकिन पिछले 13 सालों से (2013 से) परिवहन विभाग और वन विभाग के आला अधिकारियों की रहस्यमयी चुप्पी सीधे तौर पर उनकी मिलीभगत की ओर इशारा करती है। जब गाड़ियाँ अनफिट हैं, तो किसी बड़े हादसे की जिम्मेदारी कौन लेगा? क्या विभाग किसी बड़े टूरिस्ट हादसे का इंतजार कर रहा है?

परिवहन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी कान खोलकर सुन लें– जब तक इन अनफिट गाड़ियों पर ताला नहीं लटकता और दोषियों पर कड़ी वैधानिक कार्रवाई नहीं होती, 'माटी के संदेश' जनता की आवाज़ बनकर इसी तरह बेबाकी और बेधड़क अंदाज़ में इस मुद्दे को उठाता रहेगा।

# बोर्ड ऑफ विजिटर्स ने किया जिला जेल बेमेतरा का निरीक्षण, बंदियों को बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने दिए निर्देश

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार गठित बोर्ड ऑफ विजिटर्स ने गुरुवार को जिला जेल बेमेतरा का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही विधिक सहायता, स्वास्थ्य सेवाएं, भोजन, स्वच्छता, सुरक्षा तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया गया। साथ ही कौशल विकास प्रशिक्षण पूरा करने वाले विचाराधीन बंदियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए। निरीक्षण की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष श्रीमती सरोज नंद दास ने की। इस दौरान कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, पुलिस अधीक्षक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव, अपर कलेक्टर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बोर्ड ने जेल की सभी बैरकों का निरीक्षण कर बंदियों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याओं व सुझावों की जानकारी ली। बंदियों ने बताया कि जेल में सभी के साथ समान व्यवहार किया जाता है तथा किसी प्रकार का जातिगत भेदभाव नहीं है। निरीक्षण के दौरान अभिलेखों और रजिस्टरों में भी जाति संबंधी कोई उल्लेख नहीं पाया गया।अधिकारियों ने जेल में उपलब्ध मनोरंजन सुविधाओं का भी अवलोकन किया। दो बैरकों में टेलीविजन की व्यवस्था है, जहां समाचार, योग, आध्यात्मिक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम नियमित रूप से प्रसारित किए जाते हैं। इसके अलावा तबला, ढोलक, झांझ, मंजीरा सहित लूडो और कैरम जैसी खेल सामग्री भी बंदियों के लिए उपलब्ध है। निरीक्षण के दौरान पेयजल, स्वच्छता और भोजन व्यवस्था की विशेष समीक्षा की गई। बोर्ड ने जेल अधीक्षक को निर्देश दिए कि जेल मैनुअल के अनुरूप प्रतिदिन बदलते मेन्यू के अनुसार पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए तथा मौसमी सब्जियों और दालों का समुचित उपयोग सुनिश्चित किया जाए।स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा में बताया गया कि जिला जेल में पदस्थ चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुंदनलाल स्वर्णकार प्रत्येक मंगलवार को स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार करते हैं, जबकि फार्मासिस्ट प्रतिदिन आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराते हैं। बोर्ड ने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान जेल लीगल एड क्लीनिक, विधिक सहायता हेल्प डेस्क, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष, मुलाकात कक्ष, वस्त्र वितरण, शौचालय एवं अन्य व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण कर आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत आयोजित 12 दिवसीय ÷लघु उद्यमी फास्ट फूड स्टॉल÷ प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले विचाराधीन बंदियों को बोर्ड ऑफ विजिटर्स द्वारा प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। अधिकारियों ने कहा कि कौशल विकास आधारित ऐसे प्रशिक्षण बंदियों के पुनर्वास, आत्मनिर्भरता और समाज की मुख्यधारा से पुनः जुड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# संजीवनी नर्सिंग होम में यादगार ढंग से मनाया गया डॉक्टर्स डे, शहर के नामचीन चिकित्साकों का किया आत्मीय सम्मान

**रायगढ़/मूक पत्रिका**



शहर के संजीवनी नर्सिंग होम परिसर में आज एक जुलाई को डॉक्टर्स डे की खुशी में रोटेरियन व नर्सिंग होम के डायरेक्टर पुरुषोत्तम अग्रवाल के विशेष मार्गदर्शन में डॉ विधानचंद्र राय को स्मरण करते हुए नेशनल डॉक्टर्स डे स्टाफ के सभी सदस्यों ने केक काटकर यादगार ढंग से मनाया। सम्मान में मनाते हैं डॉक्टर्स डे ङ्क ङ्क रायगढ़ रोटरी क्लब ऑफ रायगढ़ ग्रेटर के संस्थापक रोटेरियन पुरुषोत्तम अग्रवाल संजीवनी ने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि हमारे देश के चिकित्सा पेशेवरों की अथक सेवा, समर्पण और त्याग को समझते हुए उनके सम्मान में एक जुलाई को डॉ विधानचंद्र राय के जन्म दिवस पर राष्ट्रीय डॉक्टर के रुप में दिवस मनाया जाता है। आज का यह पावन दिन सम्मानीय चिकित्सकों की महत्वपूर्ण योगदान का सम्मान है। वहीं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ केदारनाथ पटेल ने कहा कि ईश्वर की कृपा से सेवा करने का अवसर मिला है उम्र भर लोगों की सेवा में समर्पित रहेंगे ।सेवा कर आत्मीय खुशी मिलती है। इसी तरह वरिष्ठ चिकित्सक डॉ अनिल तिर्की ने अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करते हुए कहा कि जब तक साँसें रहेंगी मरीजों की सेवा में यूँ ही समर्पित रहेंगे ।

किया गया आत्मीय सम्मान ङ्क ङ्क डॉक्टर्स डे के पावन अवसर पर डॉयरेक्टर पुरुषोत्तम अग्रवाल संजीवनी, क्लब सचिव नयन अग्रवाल, गिरधर खेमका, तरुण अग्रवाल ने शहर के ख्यातिलब्ध चिकित्सक डॉ के. एन पटेल, डॉ प्रकाश चेतवानी , डॉ अनिल तिर्की, डॉ पीके गुप्ता, डॉ मालती पटेल, डॉ स्वीटी चौबे व उपस्थित सभी चिकित्सकों का सम्मान गुलदस्ता व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। वहीं इस अवसर पर रोटेरियन पुरुषोत्तम अग्रवाल संजीवनी, नयन अग्रवाल क्लब सचिव, तरुण अग्रवाल एवं संजीवनी नर्सिंग होम टीम के सभी सदस्यों की उपस्थिति रही।

# निकायों के सफाई कर्मचारियों ने साप्ताहिक अवकाश के लिए श्रम पदाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

**कांकेर/मूक पत्रिका**

**विक्रम ठाकुर/ :-** कांकेर जिला के विभिन्न निकायों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को साप्ताहिक अवकाश के लिए छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय कर्मचारी यूनियन ने कल श्रम पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। उक्त आशय की जानकारी छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय कर्मचारी यूनियन के राज्य कोषाध्यक्ष अरुण वाल्मीक ने आज एक प्रेस बयान जारी कर बताया। वाल्मीक ने बताया कि जिला के सभी नगरीय निकायों के सफाई कर्मियों को कोई भी साप्ताहिक अवकाश नहीं दिया जाता है। जब कि नियम के मुताबिक सभी निकाय के प्लेसमेंट कर्मचारियों को साप्ताहिक अवकाश मिलना चाहिए। मजदूर नेता ने कहा कि निकाय में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों के लिए कोई भी नियम कानून को लागू ही नहीं किया जाता। मजदूरों के अधिकारों को सुरक्षित रखने के प्रति सभी अधिकारी पूरी तरह से उदासीन है। मजदूरों का पूरी तरह से शोषण किया जाता है। उन्होंने बताया कि श्रम पदाधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि अगर शनिवार तक इस पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो फिर रविवार को निकाय में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों में से सभी सफाई कर्मचारी अवकाश पर रहेंगे। यूनियन नेता ने श्रम पदाधिकारी को स्पष्ट किया कि सभी सफाई कर्मचारियों को रविवार को ही अवकाश देने के बदले अलग अलग कर्मचारी को अलग अलग दिन अवकाश देना चाहिए।उन्होंने कहा कि इतने दिनों तक जो सफाई कर्मियों ने सातों दिन कार्य किया है उसका ओवरटाइम की राशि की भी मांग किया जाएगा।

# समर्पण, अनुशासन और निरंतर परिश्रम से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है : मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय

## मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सक्ति जिले के मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

**राज्य एवं जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों से किया आत्मीय संवाद, उज्ज्वल भविष्य के लिए दी शुभकामनाएं**

**सक्ती/मूक पत्रिका**

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सक्ती जिला कार्यालय में आयोजित मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह में राज्य एवं जिला स्तर पर बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा उन्हें जीवन में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनके भविष्य के लक्ष्य, करियर की योजनाओं और रुचियों की जानकारी ली। विद्यार्थियों ने कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, चार्टर्ड अकाउंटेंट, डॉक्टर सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाने की इच्छा व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने उनके आत्मविश्वास और ऊँचे सपनों की सराहना करते हुए कहा कि समर्पण, अनुशासन, निरंतर अध्ययन और कठिन परिश्रम ही सफलता की वास्तविक कुंजी हैं।

उन्होंने कहा कि जो विद्यार्थी बड़े लक्ष्य निर्धारित करते हैं और पूरी निष्ठा से उन्हें प्राप्त करने का प्रयास करते हैं, सफलता स्वयं उनके कदम चूमती है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक संसाधनों और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ का प्रत्येक विद्यार्थी अपनी प्रतिभा के अनुरूप आगे बढ़े और राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों, सामाजिक संवेदनशीलता और राष्ट्रसेवा की भावना को भी अपने जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज सम्मानित हुए विद्यार्थी केवल अपने परिवार का ही नहीं, बल्कि पूरे जिले और प्रदेश का गौरव हैं। उनकी सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगी और उत्कृष्टता की नई संस्कृति को आगे बढ़ाएगी। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री गुरु खुशवंत साहब, सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर अमृत विकास तोपनो, पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

# प्रदेश में अव्वल बना बेमेतरा: पीएम किसान हितग्राहियों के एग्रीस्टैक पंजीयन में हासिल किया प्रथम स्थान

## 93 प्रतिशत पीएम किसान लाभार्थियों का एग्रीस्टैक पंजीयन पूर्ण, शेष कृषकों से शीघ्र पंजीयन कराने की अपील

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

जिले में किसानों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज हुई है। एग्रीस्टैक परियोजना के तहत प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के हितग्राहियों के पंजीयन में बेमेतरा जिले ने पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि जिला प्रशासन, कृषि विभाग, राजस्व विभाग, सहकारी समितियों तथा मैदानी अमले के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। जिले में एग्रीस्टैक परियोजना के अंतर्गत किसानों के पंजीयन का कार्य निरंतर गति से किया जा रहा है। अब तक 1 लाख 70 हजार से अधिक कृषकों का सफलतापूर्वक एग्रीस्टैक पंजीयन कर उनकी किसान आईडी तैयार की जा चुकी है। जिले में कुल कृषकों की संख्या लगभग 1.86 लाख है। हालांकि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ पात्र कृषक परिवारों को दिया जाता है, जिनकी संख्या जिले में लगभग 1.20 लाख है। उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा धान उपार्जन के लिए एग्रीस्टैक पंजीयन को अनिवार्य किया जा चुका है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत पंजीयन एवं आगामी किस्तों के भुगतान के लिए भी एग्रीस्टैक किसान आईडी अनिवार्य कर दी गई है। जिन लाभार्थियों की एग्रीस्टैक आईडी नहीं बनेगी, उन्हें भविष्य में योजना की किस्त प्राप्त करने में कठिनाई हो सकती है। जिले में अब तक 93 प्रतिशत पीएम किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों का एग्रीस्टैक पंजीयन पूर्ण हो चुका है। इसी उत्कृष्ट उपलब्धि के कारण बेमेतरा जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर पहुंचा है। जानकारी के अनुसार लगभग 1301 पीएम किसान लाभार्थियों के भूमि अभिलेख संयुक्त खाते में होने के कारण उनका एग्रीस्टैक पंजीयन लंबित था।

ऐसे प्रकरणों में संबंधित तहसीलदारों द्वारा भू-अभिलेखों का अद्यतन कराते हुए तेजी से पंजीयन की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।इसके अतिरिक्त लगभग 4195 लाभार्थियों का पंजीयन मोबाइल फोन की अनुपलब्धता, अन्य राज्यों में पलायन तथा अन्य तकनीकी एवं व्यक्तिगत कारणों से अभी शेष है। जिला प्रशासन इन सभी लाभार्थियों का पंजीयन शीघ्र पूर्ण कराने के लिए विशेष अभियान चला रहा है।जिला प्रशासन ने सभी शेष पात्र किसानों से अपील की है कि वे बिना विलंब अपने निकटतम चॉइस सेंटर, सहकारी समिति अथवा निर्धारित पंजीयन केंद्र में जाकर एग्रीस्टैक पोर्टल पर अपना पंजीयन कराएं, ताकि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि सहित शासन की अन्य किसान हितैषी योजनाओं का लाभ समय पर प्राप्त होता रहे। अधिक जानकारी एवं आवश्यक सहयोग के लिए किसान अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, पटवारी अथवा संबंधित कृषि विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। जिला प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया है कि शीघ्र ही जिले के शत-प्रतिशत पात्र किसानों का एग्रीस्टैक पंजीयन पूर्ण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया जाएगा।

# सेवा सेतु पोर्टल बना बुजुर्ग के लिए वरदान, समय पर मिला आय प्रमाण पत्र

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**



छत्तीसगढ़ शासन के सेवा सेतु पोर्टल ने बेमेतरा जिले के एक जरूरतमंद परिवार के लिए संकट की घड़ी में बड़ी राहत पहुंचाई। तहसील साजा के ग्राम चिल्की निवासी बुजुर्ग देवप्रसाद साहू को अपने बीमार नाती के इलाज के लिए तत्काल आय प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी, जिसे सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से समय पर जारी कर दिया गया।जानकारी के अनुसार, नाती का इलाज एक प्रमुख अस्पताल में चल रहा था। शासन द्वारा उपचार व्यय में मिलने वाली छूट का लाभ लेने के लिए आय प्रमाण पत्र आवश्यक था। समय पर दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने से इलाज प्रभावित होने की आशंका थी।देवप्रसाद साहू ने सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया। आवेदन प्राप्त होते ही तहसील साजा के अधिकारियों और कर्मचारियों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित सत्यापन कर निर्धारित समय से पहले आय प्रमाण पत्र जारी कर दिया। समय पर प्रमाण पत्र मिलने से अस्पताल की आवश्यक औपचारिकताएं पूरी हो गई और मरीज का इलाज बिना किसी बाधा के जारी रह सका। इससे परिवार को आर्थिक राहत मिलने के साथ मानसिक तनाव भी कम हुआ।

देवप्रसाद साहू ने बताया कि पहले छोटे-छोटे शासकीय कार्यों के लिए कई बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से घर के नजदीक ही आसानी से आवेदन कर समय पर सेवाएं मिल रही हैं। उन्होंने इस सुविधा के लिए राज्य सरकार और जिला प्रशासन का आभार जताया।

जिला प्रशासन के अनुसार, सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आय, जाति, निवास, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र सहित विभिन्न नागरिक सेवाओं का ऑनलाइन आवेदन और समयबद्ध निराकरण किया जा रहा है। विशेष परिस्थितियों वाले मामलों में संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है, जिससे आम नागरिकों को शीघ्र राहत मिल सके।

**जिला एवं विकासखंड स्तर पर हुआ राष्ट्रीय जनसम्मेलन का सीधा प्रसारण, ग्रामीण विकास की नई कार्ययोजना पर दिया गया जोर, मनरेगा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सरपंच, तकनीकी सहायक एवं मेट हुए सम्मानित**

# विकसित भारत-2047 के संकल्प को मिलेगा नया आधार, बेमेतरा जिले में VBGRAMG का भव्य शुभारंभ

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

भारत सरकार के विकसित भारत-2047 के संकल्प को ग्राम स्तर तक साकार करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाबद्ध, तकनीक आधारित और समग्र विकास को नई गति देने के उद्देश्य से आज जिले में VBGRAMG (Viksit Bharat Gram Governance Mission) का शुभारंभ किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 11 बजे जनपद पंचायत बेरला स्थित रेस्ट हाउस सभाकक्ष में किया गया, जहां राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित जनसम्मेलन का सीधा प्रसारण भी किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ग्रामीणों ने सहभागिता की। राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्रम का शुभारंभ भारत सरकार के केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ड्क्क्त्रञ्ल विकसित भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहल है। इसके माध्यम से प्रत्येक ग्राम पंचायत की आवश्यकताओं के अनुरूप दीर्घकालिक विकास कार्ययोजना तैयार की जाएगी, जिससे आधारभूत सुविधाओं का विस्तार, रोजगार के अवसरों में वृद्धि, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, सामाजिक विकास तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक एवं डिजिटल मॉनिटरिंग के माध्यम से योजनाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती कल्पना तिवारी, अध्यक्ष जिला पंचायत बेमेतरा ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि जिला पंचायत बेमेतरा ड्क्क्त्रञ्ल के प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। यह मिशन ग्राम पंचायतों को योजनाबद्ध विकास का नया मार्ग प्रदान करेगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, आजीविका संवर्धन एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों एवं पंचायत पदाधिकारियों से इस अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से सफल बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री अवधेश चंदेल ने अपने संबोधन में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) एवं ड्क्क्त्रञ्ल की अवधारणा का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि 1 जुलाई से प्रारंभ यह मिशन वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखकर प्रारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप समग्र विकास कार्ययोजना तैयार कर गांवों का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित किया जाएगा। इसके माध्यम से केवल विकास कार्यों का विस्तार ही नहीं होगा, बल्कि आधुनिक तकनीकों के उपयोग से योजनाओं की सतत निगरानी, पारदर्शिता एवं जवाबदेही भी सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती प्रेमलता पदमाकर, नवपदस्थ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बेरला सुश्री दिव्या ठाकुर, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी मनोज देवांगन, कार्यक्रम अधिकारी अरविंद कश्यप सहित विभागीय अधिकारियों ने ड्क्क्त्रञ्ल की अवधारणा, उद्देश्यों एवं कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह मिशन ग्राम पंचायतों को दीर्घकालिक विकास की दिशा में सशक्त बनाएगा तथा विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से गांवों का समग्र विकास सुनिश्चित करेगा। कार्यक्रम के दौरान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के उत्कृष्ट क्रियान्वयन में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सरपंचों, तकनीकी सहायकों एवं मेटों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि यह सम्मान पंचायत स्तर पर उत्कृष्ट कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित करेगा और अन्य ग्राम पंचायतों को भी बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा।इसी क्रम में जिले के सभी विकासखंडों में भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में ड्क्क्त्रञ्ल शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां राष्ट्रीय जनसम्मेलन का सीधा प्रसारण देखा गया तथा मिशन की जानकारी जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों तक पहुंचाई गई।कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में ग्राम पंचायतों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने सभी पंचायत प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समन्वित रूप से कार्य करने तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत की विकास योजना को समयबद्ध ढंग से तैयार कर धरातल पर उतारने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सरपंच संघ अध्यक्ष बेरला रघुवीर 'पिंटू' सिन्हा, जनप्रतिनिधिगण, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी, सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, तकनीकी सहायक, मेट, स्व-सहायता समूह की महिलाएं तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आभार प्रदर्शन जनपद पंचायत बेरला की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री दिव्या ठाकुर द्वारा किया गया।

# संपादकीय

## पश्चिम एशिया में समझौते पर संकट के बादल

अमेरिका के हवाई हमलों के जवाब में ईरान ने बीते रविवार को बहरीन और कुवैत में कई स्थानों को ड्रोन एवं मिसाइलों से निशाना बनाया।पश्चिम एशिया में युद्ध समाप्त करने को लेकर हुए प्रारंभिक समझौते से यह माना जा रहा था कि क्षेत्र में शांति कायम करने का स्थायी हल निकाल लिया जाएगा और वैश्विक स्तर पर पैदा हुए ऊर्जा संकट से भी राहत मिलेगी। मगर अमेरिका और ईरान के फिर तल्ख होते तेवर से अब इस समझौते पर ही संकट के बादल मंडराने लगे हैं। अमेरिका के हवाई हमलों के जवाब में ईरान ने बीते रविवार को बहरीन और कुवैत में कई स्थानों को ड्रोन एवं मिसाइलों से निशाना बनाया।हालांकि अमेरिका की ओर से कहा जा रहा है कि ताजा घटनाक्रम का द्विपक्षीय बातचीत पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन ईरान ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि उसके क्षेत्र में हमले जारी रहे, तो युद्ध खत्म करने के लिए जारी वार्ता पूरी तरह रोकी जा सकती है। यह विचित्र है कि एक तरफ दोनों देशों ने समझौते को स्थायी रूप से लागू करने के लिए शांति वार्ता को लेकर प्रतिबद्धता जताई है और इस बीच वार-पलटवार का सिलसिला भी जारी है।मौजूदा हालात में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि अमेरिका और ईरान इस समझौते को लेकर वास्तव में गंभीर हैं भी या नहीं? यह आशंका इसलिए गहरा रही है, क्योंकि दोनों देशों की ओर से समझौते के नियमों का पालन करने को लेकर कोई संजीदगी नजर नहीं आती है। हमले और वार्ता दोनों साथ-साथ कैसे चल सकते हैं? और अगर ऐसा होता भी है, तो जाहिर है कि कोई सकारात्मक परिणाम सामने आने की गुंजाइश बेहद कम होगी।अमेरिका के रुख के बाद ईरान की ओर से बहरीन और कुवैत पर ये हमले ऐसे समय हुए, जब अमेरिकी नौसेना की निगरानी में काम करने वाली एक बहुराष्ट्रीय समुद्री संस्था ने बीते शनिवार को कहा कि होर्मुज जलमार्ग में ओमान के पास स्थित एक मार्ग का विस्तार किया जाएगा, ताकि उससे खाड़ी में प्रवेश करने और बाहर जाने वाले पोतों की आवाजाही आसान हो सके। इस कदम से अमेरिका और ईरान के बीच टकराव का एक नया मोर्चा खुल सकता है, क्योंकि ईरान इस महत्त्वपूर्ण जलमार्ग से जहाजों की आवाजाही पर अपना पूरा नियंत्रण बनाए रखना चाहता है।

***जब हम प्यार के इजहार की बात करते हैं, तो उसमें सिर्फ आई लव यू शामिल नहीं होता, बल्कि शारीरिक स्तर पर एक-दूसरे को चाहना भी शामिल है। आज के कपल्स फिजिकल लव के एक्सप्रेशन में यानी सेक्सिटंग में बेड से कहीं ज्यादा माहिर हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन की एक प्रसिद्ध स्टडी के अनुसार, लगभग 82 प्रतिशत एडल्ट्स मानते हैं कि वे अपने पार्टनर के साथ नियमित रूप से सेक्सिटंग करते हैं। रिसर्च के मुताबिक, सेक्सिटंग कपल्स के लिए एक डिजिटल फोरप्ले की तरह काम करती है। कई लोग स्वभाव से शर्मीले होते हैं। वे अपनी वाइल्ड फैंटेसीज, अपनी पसंद या नापसंद को खुलकर नहीं बता पाते।***

# बेड पर खामोश, डिजिटल चैटिंग पर बोल्ड! क्यों बदल रहा है प्यार करने का तरीका?

(नमिता जोशी)

जब आप टेक्स्ट पर अपनी फीलिंग्स या डिजायर्स का इजहार कर रहे होते हैं, तो आपके पास पूरा कंट्रोल होता है। आप एक लाइन लिखते हैं, फिर सोचते हैं, नहीं, यह थोड़ी कम अट्रैक्टिव है। आप उसे मिटाते हैं, एक फायर या विंक वाला इमोजी जोड़ते हैं, थोड़ा और हॉट शब्द ढूंढते है और फिर सेंड करते हैं। कहते है प्यार अंधा होता है, लेकिन आजकल का प्यार अंधा होने के साथ-साथ थोड़ा अंगूठा प्रधान भी हो गया है। वह दौर गया जब दिल और जिस्म की बात जुबान पर आते-आते रुक जाती थी। आज चाहे भावनाओं का इजहार हो या शारीरिक इच्छाओं का, सब कुछ जुबान तक आने से पहले सीधे अंगूठे से होते हुए वॉट्सऐप की स्क्रीन पर टाइप हो जाता है। चौंकिए मत, यह कोई फिल्मी जुमला नहीं, बल्कि इंटरनेट पर मौजूद दर्जनों मनोवैज्ञानिक रिसर्च और समाजशास्त्रीय अध्ययनों का कड़वा या कहें कि मीठा सच है।

अक्सर माना जाता है कि कपल्स जब एक-दूसरे के सबसे करीब होते हैं यानी जब वे बेड पर साथ होते हैं, तब उनके बीच प्यार और शारीरिक आकर्षण का इजहार पूरे परवान पर होगा। लेकिन हकीकत इसके उलट है। आज के दौर के कपल्स बिस्तर पर एक-दूसरे के बगल में लेटे हुए जितने इमोशनली और फिजिकल ब्लॉक महसूस करते हैं, फोन की स्क्रीन पर वे उतने ही बड़े शायर और बोल्ड रोमियो बन जाते हैं। जो बातें या जो फैंटेसीज वे एक-दूसरे की आंखों में आंखें डालकर बेड पर नहीं कह पाते, उन्हें वे इमोजी, सेक्सिटंग और हॉट मैसेजेस के सहारे बड़े धड़ल्ले से लिख भेजते हैं।

**ऑनलाइन रहता है कंट्रोल** – दरअसल जब आप आमने-सामने होते हैं, तो जो मुंह से निकल गया, सो निकल गया। उसे आप डिलीट या एडिट नहीं कर सकते। बेड पर रोमांटिक या हॉट होने के चक्कर में कई बार मुंह से कोई ऐसी अजीब बात निकल जाती है कि पूरे मूड का ही बंटाधार हो जाता है। इसके उलट, जब आप टेक्स्ट पर अपनी फीलिंग्स या डिजायर्स का इजहार कर रहे होते हैं, तो आपके पास पूरा कंट्रोल होता है। आप एक लाइन लिखते हैं, फिर सोचते हैं, नहीं, यह थोड़ी कम अट्रैक्टिव है। आप उसे मिटाते हैं, एक फायर या विंक वाला इमोजी जोड़ते हैं, थोड़ा और हॉट शब्द ढूंढते हैं और फिर सेंड करते हैं। यानी आप अपनी कामुकता और प्यार का बेस्ट, सबसे पॉलिश्ड वर्जन सामने वाले को परोसते हैं। यह एडिटिंग की सुविधा बिस्तर पर उपलब्ध नहीं होती। वहां तो जो है, सो ऑन-एयर लाइव है!

तो आखिर ऐसा क्यों है कि बेडरूम की असली गर्माहट पर स्मार्टफोन की डिजिटल स्क्रीन भारी पड़ रही है? आइए, विज्ञान और रोजमर्रा के जीवन के चश्मे से इस डिजिटल लव-लाइफ का पूरा पोस्टमार्टम करते हैं। मनोविज्ञान में एक बेहद मशहूर टर्म है ऑनलाइन डिसविहेशन इफेक्ट आसान भाषा में कहें तो, जब हमारे और सामने वाले के बीच एक कांच की स्क्रीन आ जाती है, तो हमारे अंदर की झिझक, डर, शर्म और लोक-लाज अचानक गायब हो जाती है।

**डिजिटल स्क्रीन इंसानों के लिए सुरक्षा कवच** – डिजिटल स्क्रीन इंसानों के लिए एक सुरक्षा कवच का काम करती है। बिस्तर पर जब दो लोग साथ होते हैं, तो वहां आई कॉन्टैक्ट और शारीरिक मौजूदगी होती है। सामने वाले के चेहरे के हाव-भाव, उसकी सांसें एक तरह का अदृश्य दबाव बनाती हैं। हमें डर होता है कि अगर हमने अपने दिल की कोई गहरी बात कही या अपनी कोई शारीरिक इच्छा जताई, तो पार्टनर का तुरंत रिएक्शन क्या होगा ? कहीं वह हमें जज न करने लगे? कहीं वह रिजेक्ट न कर दे? लेकिन फोन पर आपके पास एक अदृश्य ढाल होती है। इस विषय पर जर्नल ऑफ कंप्यूटर-मीडिएटेड में छपी एक रिसर्च साफ बताती है कि टेक्स्टिंग या सेक्सिटंग कपल्स को अपनी असुरक्षा को छिपाने में मदद करती है। जो बातें वे बेड पर आमने-सामने बैठकर झिझकने के कारण नहीं बोल पाते, उन्हें वे स्क्रीन के पीछे छिपकर आसानी से लिख देते हैं।

**क्या कहती है रिसर्च** – जब हम प्यार के इजहार की बात करते हैं, तो उसमें सिर्फ आई लव यू शामिल नहीं होता, बल्कि शारीरिक स्तर पर एक-दूसरे को चाहना भी शामिल है। आज के कपल्स फिजिकल लव के एक्सप्रेशन में यानी सेक्सिटंग में बेड से कहीं ज्यादा माहिर हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन की एक प्रसिद्ध स्टडी के अनुसार, लगभग 82 प्रतिशत एडल्ट्स मानते हैं कि वे अपने पार्टनर के साथ नियमित रूप से सेक्सिटंग करते हैं। रिसर्च के मुताबिक, सेक्सिटंग कपल्स के लिए एक डिजिटल फोरप्ले की तरह काम करती है। कई लोग स्वभाव से शर्मीले होते हैं। वे अपनी वाइल्ड फैंटेसीज, अपनी पसंद या नापसंद को खुलकर नहीं बता पाते।

उन्हें लगता है कि सीधे मुंह ऐसी बातें बोलना उनके पार्टनर को अजीब लग सकता है। लेकिन टेक्स्ट मैसेज पर वे अचानक बोल्ड हो जाते हैं। फोन पर वे अपनी हर दबी हुई शारीरिक इच्छा को बिना किसी हिचक के शब्दों में पिरो देते हैं। यह जो टेक्स्ट पर फिजिकल लव का खुलकर इजहार है, वह बेडरूम की पारंपरिक झिझक को तोड़ देता है। लोग स्क्रीन पर जितने सेक्शुअली एक्सप्रेसिव हैं, बेड पर लाइट ऑफ होते ही उतने ही पारंपरिक या शांत हो जाते हैं। कई बार लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में एक दूसरे पर इम्प्रेशन झाड़ने के लिए सेक्सिटंग करते हैं, भले ही सामने आने पर उनकी बत्ती गुल क्यों न हो जाए। जो लोग सीधे मुंह दो सीधे शब्द नहीं बोल पाते, वे टेक्स्ट पर कामदेव बन जाते हैं। इसके पीछे काम करता है प्रसिद्ध समाजशास्त्री वाल्थर द्वारा दिया गया हाइपरपर्सनल मॉडल। यह थ्योरी बताती है कि टेक्स्ट या डिजिटल मीडिया पर हम खुद को ज्यादा बेहतर, आकर्षक, सिडक्टिव और परफेक्ट तरीके से पेश कर सकते हैं।

इस डिजिटल रोमांस पर कॉर्नेल यूनिवर्सिटी ने एक बेहद दिलचस्प स्टडी की है। मशहूर शोधकर्ता जेफ्री हैनकॉक के अनुसार, डिजिटल मीडिया पर मेसेज भेजते वक्त लोग अक्सर आमने-सामने की तुलना में अधिक गहरी और हाइपर-पर्सनल बातचीत करते हैं। इसका कारण यह है कि लिखते समय हमारे पास सोचने, समझने और सही शब्दों को चुनने का पर्याप्त समय होता है जिसे रिफ्लेक्शन टाइम कहते हैं। बिस्तर पर लेटे हुए अक्सर कपल्स के बीच एक अजीब-सा सन्नाटा पसर जाता है। दिनभर के काम की थकान, ऑफिस का स्ट्रेस और घरेलू चिंताएं दिमाग में बैकग्राउंड म्यूज़िक की तरह बज रही होती हैं।

ऐसे में फिजिकल होने का मूड बनाना भी एक भारी काम लगने लगता है। लेकिन फोन की दुनिया रंग-बिरंगी है। वहां अगर आपके पास शब्द नहीं भी हैं, तो भी आपके पास हॉट जीआईएफ ,डर्टी टॉक्स, विडियोज और इमोजी की पूरी बारात है। कपल्स को लगता है कि टेक्स्ट पर इन विजुअल्स का इस्तेमाल करके वे अपने बीच की शारीरिक और मानसिक दूरी को ज्यादा मसालेदार तरीके से पाट पाते हैं।

एक और कड़वा सच यह है कि बेडरूम में कपल्स के ऊपर बॉडी इमेज और परफॉर्मेंस का एक अनकहा शारीरिक दबाव होता है। पेट थोड़ा बाहर निकला है, बाल बिखरे हुए हैं, चेहरे पर थकान है या स्ट्रेस के कारण मूड नहीं बन रहा, ये सब चीजें इंसान को अपने ही शरीर को लेकर कॉन्शस कर देती हैं। जब आप खुद को लेकर पूरी तरह कॉन्फिडेंट नहीं होते, तो आप बेड पर खुलकर न तो प्यार जता पाते हैं और न ही शारीरिक रूप से पूरी तरह इंवॉल्व हो पाते हैं।

दूसरी ओर, जब आप ऑफिस की कैब में बैठे हों, या घर के किसी दूसरे कोने में हों, तब आप कैसे दिख रहे हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आप सब्ज़ी के दाग़ लगे टी शर्ट पहने हुए भी दुनिया के सबसे सिडक्टिव और रोमांटिक इंसान की तरह टेक्स्ट टाइप कर सकते हैं। वहां सिर्फ आपकी कल्पनाएं और भावनाएं यात्रा करती है, आपका असल शरीर नहीं। इसलिए, शरीर के बंधनों और कमियों से मुक्त होकर कल्पनाओं का वो अंगूठा ज्यादा बेहतर तरीके से फिजिकल लव एक्सप्रेस कर पाता है।

लेकिन सिक्के का दूसरा पहलू भी है, जिसे नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता। इस डिजिटल परफेक्शन के चक्कर में कहीं हम अपनी असल दुनिया की शारीरिक और मानसिक अंतरंगता को खो तो नहीं रहे? मेसेज पर इंटरनेट के वाइल्ड लवर बन जाना और बेड पर आते ही स्मार्टफोन की स्क्रीन स्क्रॉल करने लगना, यह आधुनिक रिश्तों की एक बड़ी विडंबना बन चुका है। स्क्रीन पर होने वाली सेक्सिटंग और प्यार बेशक खूबसूरत, उत्तेजक और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित है, लेकिन जब तक वह बोल्डनेस फोन से बाहर निकलकर बेड पर एक-दूसरे को छूने, आंखों में देखने और असल जिंदगी में बिना झिझक के अपनी इच्छाएं पूरी करने में नहीं बदलेगी, तब तक रिश्ता सिर्फ एक डिजिटल भ्रम ही रहेगा। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

# अयोध्या से एनजीओ फंडिंग तक- एक हफ्ते की सियासत में कैसे बदलते रहे मुद्दे?

(सुधीश पचौरी)

राम मंदिर चढ़ावा विवाद, एनजीओ फंडिंग, पासपोर्ट, महाराष्ट्र, पंजाब, मध्य प्रदेश और केंद्र सरकार से जुड़े घटनाक्रमों के बीच सियासत और विमर्श पर टिप्पणी।अमेरिकी-ईरानी 'डील' में इजराइल 'आउट'। फिर एक दिन 'पुष्पा' वाला संवाद तमिल राजनीति में छाया दिखा। एक दिन द्रमुक के एक नेता ने अपनी गर्दन के नीचे पुष्पा की तरह हाथ फिराकर कहा कि 'अपुन झुकने का नहीं', तो जवाब में तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने इसी तरह गर्दन के नीचे हाथ फिराकर कहा, 'अपुन भी झुकने का नहींज'

अब इसके बाद ऑपरेशन टाइगर। उद्धव पक्ष के छह सांसद 'असली शिवसेना' में शामिल और अमित शाह का तंज- अब सिर्फ एक ही शिवसेना हैज। फिर एक दिन बंगाल में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा 'सुहरावर्दी लेन' का नाम 'गोपाल पाठा लेन' करने की खबर। और विपक्ष का विलाप कि भगवाकरण किया जा रहा है।फिर एक चैनल पर प्रधानमंत्री का संबोधन कि हमारा मंत्र है- 'देश प्रथम'। कश्मीर में लगता था कि कुछ नहीं हो सकता। हमने करके दिखाया नक्सलवाद आखिरी सांसें ले रहा है। बारह वर्ष में भारत की निराशा को आशा में बदला। लोग अपेक्षा किससे करेंगे? जो करेगा, उसी से करेंगे। इसके बाद सभागार में देर तक 'मोदी-मोदी, मोदी-मोदी' होता रहा।

इसी बीच विदेश मंत्रालय द्वारा 'एनजीओ फंडिंग' को लेकर कुछ नई शर्तें लगाना और इसके बाद गैर-सरकारी संगठन खड्गहस्त दिखे। फिर आई राम मंदिर की 'चंदा चोरी' को लेकर बैठाई गई 'एसआईटी' की रिपोर्ट और बहसों में विपक्ष की मांग कि सीबीआई जांच करती या न्यायालय जांच करता, तो बेहतर होता'एसआईटी' तो किसी को बचाने, किसी को फंसाने के लिए बनाई गई है। जबकि सत्ता पक्ष कहता रहा कि किसी को नहीं बख्शा जाएगा। शाम तक कई चैनल बताने लगे कि एसआईटी की रिपोर्ट में बताए गए आठ आरोपियों पर एफआईआरज मालूम हुआ कि ये सब चंदे-चढ़ावे को गिनकर बैंक में जमा करने का काम करते थे।

उधर, विपक्ष कहता रहा कि बड़ी मछलियां छोड़ दी गई हैं, सिर्फ छोटी मछलियां पकड़ी गई हैं। हर बहस में चंदे-चढ़ावे का प्रबंधन करने वाले प्रमुख चंपत राय तथा कुछ अन्य बड़े नाम आते रहे। कई एंकर और चर्चक तक कहते रहे कि यह कैसे हो सकता है कि नीचे के लोग चोरी करते रहें और ऊपर वालों को खबर ही न हो।एक विपक्षी ने कहा भी कि आरोपियों में चंपत राय का नाम क्यों नहीं है? कांग्रेस ने मांग की कि सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच होनी चाहिएज मौजूदा ट्रस्ट को भंग करें। बहसों में इसे 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखा जाने लगा और कई कहते रहे कि अगर जांच में 'दूध का दूध और पानी का पानी' न हुआ, तो इसका असर सत्तादल की साख पर पड़ सकता है। इसी क्रम में एक चैनल पर मंदिर निर्माण के प्रमुख नृपेंद्र मिश्र तक ने कह दिया कि चंदे जैसी व्यवस्था ही नहीं थी। यह मंदिर की प्रबंधन प्रणाली पर बड़ा धब्बा है। इसके बाद 'लव, शव और धोखा' वाली एक भयावह कहानी सामने आई। अब तक की कहानी के अनुसार, शादी से कुछ दिन पहले एक युवती ने अपने मंगेतर को 'निपटाने' की कोशिश की, लेकिन कामयाब न हुई। आरोप है कि अगली बार 'लौहगढ़' जाकर रील बनाने के बहाने अपने प्रेमी के जरिए उसने मंगेतर को धक्का देकर चार सौ फुट गहरी खाई में गिरवा दिया। इसके बाद भी आरोपी युवती इंस्टाग्राम पर मंगेतर को लेकर भावुकता भरी पोस्ट डालती रही कि 'तुम मेरे जन्मदिन पर मुझे यूं ही छोड़कर चले गएज।'

इसके बाद सिख धर्म की 'बेअदबी' मामले में दो-दो वीडियो आए और आरोप लगा कि 'बेअदबी' के 'दोषी' पंजाब के मुख्यमंत्री मान हैं। आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता कहते रहे कि यह आरोप उन्हें फंसाने की साजिश हैज। फिर बहसें विवाद की राजनीति पर आ गईं और कुछ कहते रहे कि यह सारा विवाद पंजाब के आगामी विधानसभा चुनाव के लिए किया जा रहा है।

फिर शुरू हुई जातिवाद की 'तिरछी' राजनीति। एक दिन मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के कथित जमीन घोटाले को लेकर जैसे ही खबर आई, वैसे ही विपक्ष के कुछ नेता भाजपा को 'भ्रष्टाचारी' बताकर कूदने लगे। इसके बाद विदेश मंत्रालय का स्पष्टीकरण आया कि पासपोर्ट नागरिकता का अधिकार नहीं देताज। विपक्ष के एक हिस्से ने इसे तुरंत पकड़ा कि यह 'एनआरसी' लाने का बहाना हैज कि एक झटके में जनता की नागरिकता छीन ली जाएगी।

दूसरी ओर, मुहर्रम पर उज्जैन में आतंकवादी हमले से बचने के अभ्यास के वीडियो ने कई लोगों को झकझोर दिया। एक एंकर ने साफ कहा कि 'क्रेन' पर कार को चालीस फुट ऊंचाई पर ले जाकर टांगा गया। उस पर खड़े कुछ युवाओं ने 'वी हैव अराइव्ड' (हम आ गए हैं) के नारे वाले झंडे फहराएज फिर विस्फोट किया और कार देर तक जलती रही।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी ने एक सभा में आलोचकों से कहा कि 'एसआईटी' की रिपोर्ट आते ही कार्रवाई शुरू हुई है। दूध का दूध, पानी का पानी होगाज अयोध्या को बदनाम न करें।

# सीमाओं की सुरक्षा से विकसित भारत तक- रक्षा और अर्थव्यवस्था का नया समीकरण

(जयंती लाल भंडारी)

***लंबे समय से यह माना जाता रहा है कि शांति के समय भारत अपने परमाणु हथियारों को तैनात 'लांचर' से अलग रखता है। हालिया कदमों से संकेत मिलता है कि भारत शांति के समय में भी अपने कुछ हथियारों को 'लांचर' के साथ जोड़ने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि भारतीय युद्धपोत, पनडुब्बी और दूसरे हथियारों में परमाणु हथियार हमेशा तैनात रहते हैं। वस्तुतः चीन और पाकिस्तान के खतरे को देखते हुए रक्षा तैयारी रणनीति के तहत यह एक असाधारण बदलाव है। वैश्विक अर्थव्यवस्था और रक्षा व्यय से संबंधित ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में भारत रणनीतिक रूप से आर्थिक मजबूती के साथ रक्षा व्यय बढ़ाने वाले प्रमुख देश के रूप में उभर रहा है।***

वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता, चीन-पाकिस्तान की बढ़ती चुनौतियों और बदलते सुरक्षा परिदृश्य के बीच भारत को आर्थिक विकास के साथ रक्षा क्षमता को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाना होगा। दुनिया में अस्थिरता के साथ रक्षा संबंधी चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। इसके मद्देनजर भारत को भी तेज विकास के साथ बहुआयामी स्तर पर रक्षा के मोर्चे मजबूत करने होंगे। हाल ही में प्रधानमंत्री ने देश में निर्मित तीन नौसैनिक जहाजों को राष्ट्र को समर्पित करते हुए कहा कि देश में शांति और विकास के लिए सुरक्षा मजबूत करना आवश्यक है। हालांकि, वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और कुछ पड़ोसी देशों से मिल रही चुनौतियों के बीच दुनिया में भारत के प्रति आर्थिक भरोसा बढ़ रहा है। यहां विदेशी निवेश बढ़ रहा है और नए व्यापार समझौते आकार ले रहे हैं। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। ऐसे समय में अब भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए आर्थिक विकास के साथ-साथ आधुनिक रक्षा प्रणाली के मामलेमें भी खुद को सुदृढ़ करना होगा।

इस परिप्रेक्ष्य में हाल में जारी दो रिपोर्ट उल्लेखनीय हैं। विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बीच वर्ष 2026-27 में भारत की विकास दर 6.6 फीसद होगी और उभरते हुए देशों में भारतीय अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। दूसरी ओर दुनिया में हथियारों पर नजर रखने वाली ग्लोबल संस्था 'स्टाकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट' (सिपरी) की परमाणु हथियारों पर नजर रखने वाली रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत परमाणु हथियार के मोर्चे पर बहुत तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रक्षा बजट के मामले में भारत दुनिया में पांचवें क्रम पर है। जनवरी 2026 तक भारत के पास कुल 190 परमाणु हथियार थे। इनमें से बारह परमाणु बमों को मिसाइल, पनडुब्बी और लड़ाकू विमानों के साथ जोड़ दिया गया है। साथ ही उन्हें संचालन अड्डे पर तैनात किया गया है। स्पष्ट है कि परमाणु हथियारों को अलग रखने की भारत की दशकों पुरानी नीति अब बदल गई है।

लंबे समय से यह माना जाता रहा है कि शांति के समय भारत अपने परमाणु हथियारों को तैनात 'लांचर' से अलग रखता है। हालिया कदमों से संकेत मिलता है कि भारत शांति के समय में भी अपने कुछ हथियारों को 'लांचर' के साथ जोड़ने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि भारतीय युद्धपोत, पनडुब्बी और दूसरे हथियारों में परमाणु हथियार हमेशा तैनात रहते हैं। वस्तुत- चीन और पाकिस्तान के खतरे को देखते हुए रक्षा तैयारी रणनीति के तहत यह एक असाधारण बदलाव है। वैश्विक अर्थव्यवस्था और रक्षा व्यय से संबंधित ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में भारत रणनीतिक रूप से आर्थिक मजबूती के साथ रक्षा व्यय बढ़ाने वाले प्रमुख देश के रूप में उभर रहा है। निश्चित रूप से ऐसे समय में जब देश की सीमाएं भू-राजनीतिक चुनौतियों के मद्देनजर पहले से अधिक असुरक्षित और संवेदनशील हो गई हैं, तब भारत को न केवल दुनिया की आर्थिक शक्ति, बल्कि उन्नत परमाणु हथियारों से सुसज्जित सैन्य शक्ति बनने की जरूरत दिखाई दे रही है। स्पष्ट है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में पाकिस्तान आधुनिक चीनी हथियारों से भारत में घुसपैठ को बढ़ावा दे रहा है। इन दिनों ईरान-अमेरिका के बीच मध्यस्थता प्रयासों से उसकी निकटता बढ़ी है। चीन की ओर से भी सीमा पर भारत के संप्रभु इलाकों में चुनौती देने वाली गतिविधियां बढ़ी हैं। यह चिंता की बात है कि चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा ( एलएसी और विशेष रूप से काराकोरम दर्रे के पास भी चुनौतियां पैदा कर रहा है। पिछले दिनों उसने शरारत पूर्ण तरीके से अक्साई चीन में नया 'प्रशासनिक क्षेत्र' बनाया है। चीन हिंद महासागर में 'स्ट्रिंग आफ पर्ल्स' नीति के जरिए भी भारत को चुनौती दे रहा है। पिछले वर्ष पाकिस्तान को पहलगाम आतंकी हमले का जवाब देने के मद्देनजर जब 'आपरेशन सिंदूर' चलाया गया था, तब पाकिस्तान का साथ देने के लिए चीन, तुर्किये और अजरबैजान का खतरनाक गठजोड़ सामने आया था। चीन ने पाकिस्तान को उपग्रह के जरिए खुफिया जानकारी उपलब्ध कराई थी। अब पाकिस्तान द्वारा चीन के सहयोग से परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम अंतर महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल जैसे हथियार विकसित किए जा रहे हैं। इतना ही नहीं उसने सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौता भी किया है।

पिछले दिनों अमेरिकी खुफिया संस्थान की 'एनुअल थ्रेट असेसमेंट' रिपोर्ट 2026 में कहा गया है कि इस समय पाकिस्तान द्वारा किया जा रहा परमाणु और पारंपरिक हथियारों का विस्तार भारत सहित दक्षिण एशिया के लिए बड़ा खतरा बन गया है। मगर आर्थिक और रक्षा विकास की नई रणनीति के तहत भारत आर्थिक और सामरिक रूप से मजबूती आगे बढ़ रहा है। भारत ने आतंकवाद के प्रति कठोर नीति अपनाई है। पूरी दुनिया ने देखा है कि पिछले वर्ष आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। वस्तुत-सैन्य अभियान के तहत भारत ने एआइ के उपयोग से पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर मिसाल पेश की है। तेज आर्थिक विकास के साथ युद्ध के लिए अर्थव्यवस्था को तैयार करने और मजबूत सैन्य शक्ति बनने के लिए भारत को रणनीतिक कदमों के साथ आगे बढ़ना होगा।

इस समय मजबूत घरेलू बाजार, पूंजीगत व्यय, रेकार्ड खाद्यान्न उत्पादन और विदेशी मुद्रा भंडार देश की शक्ति है। साथ ही ये सभी कारक भारत को बाहरी आर्थिक झटकों से बचा रहे हैं। मगर अभी देश को तीसरी बड़ी आर्थिकी बनाने के लिए रफ्तार से बढ़ना होगा। युवाओं को देश की शक्ति बनाना होगा। हमें युद्ध पर आधारित ऐसी मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में भी तैयार होना होगा, जहां जरूरत पड़ने पर तेजी से औद्योगिक और तकनीकी क्षमता का इस्तेमाल करते हुए युद्ध सामग्री का निर्माण हो सके। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र से रक्षा इकाइयों को तकनीकी शैक्षणिक संस्थानों के साथ जोड़ कर सैन्य साजो-सामान को अत्याधुनिक बनाने में भी तेजी से आगे बढ़ना होगा। देश में साइबर और सूचना क्षमताओं का विस्तार करना होगा। क्योंकि अब युद्ध केवल सीमाओं पर ही नहीं लड़े जाते, बल्कि ये आधुनिक चिप से निर्मित मिसाइलों व उन्नत ड्रोन के इस्तेमाल से हवा, समुद्र तथा अंतरिक्ष में भी लड़े जाते हैं। भारत को हाइपरसोनिक मिसाइलों के साथ एआइ की नई क्षमताओं के साथ आगे बढ़ना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में भारत की हाल की उपलब्धियां दुनिया भर में रेखांकित की जा रही हैं। इस उपलब्धि के साथ भारत रूस के बाद व्यावसायिक 'फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' संचालित करने वाला दुनिया का दूसरा देश बन गया है। इससे देश दुनिया की परमाणु महाशक्ति के रूप में उभरेगा। भारत ने पिछले एक दशक में रक्षा उपकरणों के सबसे बड़े आयातक से निर्यातक के रूप में खुद को बदला है। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में 38424 करोड़ रुपए का रेकार्ड रक्षा निर्यात किया है। मगर अभी भी रक्षा मजबूती के लिए मीलों चलना बाकी है। 'मेक-इन-इंडिया' के तहत आधुनिक हथियारों का मजबूती से स्वदेशीकरण होगा। भारत को सैन्य साजो-सामान के आधुनिकीकरण के साथ साइबर तकनीक और आधुनिक मिसाइलों से सुसज्जित होना होगा। उम्मीद है देश आर्थिक विकास के साथ परमाणु हथियार मोर्चे पर भी तेजी से आगे बढ़ेगा।

# श्रमिक जनसंवाद सम्मेलन में असंख्य श्रमिकों को मिला तत्काल लाभ,हितग्राहियों को लाखो रुपये की सहायता राशि का चेक वितरित

**शिविर में लोगों ने स्वास्थ्य जांच, नवीन श्रम कार्ड पंजीयन और ईकेवायसी कराया**



**सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका**

श्रमिक जनसंवाद सम्मेलन का जिला स्तरीय आयोजन मंडी प्रांगण सारंगढ़ में किया गया, जिसमें भारी संख्या में श्रमिकों ने नवीन श्रम कार्ड और ईकेवायसी करवाया। कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू और जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय ने छत्तीसगढ़ महतारी एवं भगवान विश्वकर्मा के पूजा-अर्चन के साथ किया। इसके बाद अतिथियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर योजनाओं की जानकारी ली। सम्मेलन में श्रम विभाग सहित स्वास्थ्य विभाग द्वारा अपने- अपने स्टॉल लगाए गए थे। श्रमिकों को श्रम विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा श्रम पंजीयन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने कहा कि यह सम्मेलन पूरी तरह श्रमिकों को समर्पित है। एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की योजनाओं का लाभ और जानकारी उपलब्ध कराकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को श्रमिकों तक पहुंचाया जा रहा है। अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में सभी क्षेत्र में योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। सम्मेलन में श्रमिक ईश्वर पटेल ने बताया कि उनकी संतान अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के तहत कक्षा 6वीं से 12वीं तक निःशुल्क शिक्षा प्राप्त कर रही है, जिससे परिवार पर आर्थिक बोझ कम हुआ है। वहीं हितग्राही चैतराम विश्वकर्मा की पुत्री ने भी योजना के तहत कक्षा 7वीं में निःशुल्क अध्ययन करने का अनुभव साझा करते हुए शासन एवं श्रम विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को सहायता राशि के चेक वितरित किए। मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के तहत 10 हितग्राहियों को कुल 10 लाख रुपये, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण योजना के तहत 12 हितग्राहियों को 2.40 लाख रुपये, मिनी माता महतारी जतन योजना के तहत 32 हितग्राहियों को 6.40 लाख रुपये, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक सियान सहायता योजना के तहत 6 हितग्राहियों को 1.20 लाख रुपये तथा मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के तहत 1,618 हितग्राहियों को 32.47 लाख रुपये की सहायता राशि वितरित की गई।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जिले के श्रमिक एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ इंद्रजीत बर्मन, एसडीएम वर्षा बंसल, गणमान्य नागरिक ज्योति लाल पटेल, जगन्नाथ केशरवानी, श्रम अधिकारी घनश्याम पाणीग्राही सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

# बीज उत्सव में बिहान महिला सदस्यों ने 1 ही दिन में बनाया 59 हजार सीड बॉल

**सीड बॉल निर्माण में कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने की सहभागिता**



**सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका**

जिले के विभिन्न स्थानों में बिहान के महिला सदस्यों की टोली ने वृहद बीज उत्सव कार्यक्रम में सीड बाल तैयार किया। इसी सिलसिले में कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ग्राम गोड़म पहुंचीं और महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा किए जा रहे सीड बॉल निर्माण कार्य का अवलोकन की और सहभागी बनी। इस दौरान उन्होंने महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उनके प्रयासों की सराहना की। ग्राम गोड़म में महिला समूहों द्वारा 30 हजार से अधिक सीड बॉल तैयार किए गए। इन सीड बॉल में विभिन्न फलदार पौधों एवं अन्य उपयोगी वृक्षों के बीज शामिल किए गए हैं, जिन्हें वर्षा ऋतु में उपयुक्त स्थानों पर रोपित किया जाएगा।

इसी प्रकार बिलाईगढ़ क्षेत्र के नगर पंचायत पवनी अंतर्गत संकुल संगठन की महिलाओं ने भी 15 हजार से अधिक सीड बॉल तैयार किए। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में महिला समूहों की सक्रिय भागीदारी से एक ही दिन में कुल 59 हजार से अधिक सीड बॉल तैयार किए गए, जो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस अवसर पर कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने कहा कि बीज उत्सव केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने जिले के सभी नागरिकों से इस जनभागीदारी अभियान में शामिल होकर अधिक से अधिक सीड बॉल तैयार करने और उन्हें वर्षा ऋतु में उपयुक्त स्थानों पर स्थापित करने की अपील की।

# भैरमगढ़ में कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन, भाजपा सरकार पर साधा निशाना; दीपक बैज बोले, कांग्रेस ने 80 प्रतिशत और भाजपा ने केवल 20 प्रतिशत नक्सलवाद समाप्त किया

**नक्सलवाद खत्म होने के बाद बस्तर को उजाड़ने की साजिश रची जा रही है : महंत**

**बीजापुर/मूक पत्रिका**

**आशीष पदमवार।** भैरमगढ़ में आयोजित कांग्रेस के कार्यकर्ता सम्मेलन में पार्टी ने बस्तर के मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। सम्मेलन में विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने आरोप लगाया कि नक्सलवाद समाप्त होने के बाद अब बस्तर को उजाड़ने की योजनाएं बनाई जा रही हैं। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल में 80 प्रतिशत नक्सलवाद समाप्त किया था, जबकि भाजपा सरकार ने 20 प्रतिशत को ही नक्सल मुक्त की है।कार्यक्रम से पहले नेलसनार से लेकर भैरमगढ़ स्थित विधायक निवास तक कांग्रेस नेताओं का भव्य स्वागत किया गया। जगह-जगह कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर नेताओं का अभिनंदन किया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता स्वागत रैली में शामिल हुए। विधायक निवास परिसर में आयोजित सम्मेलन का शुभारंभ जिला कांग्रेस अध्यक्ष लालू राठौर के स्वागत भाषण से हुआ। विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि इस सम्मेलन से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार होगा और संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार के ढाई वर्ष पूरे होने के बावजूद जनता से किए गए वादे पूरे नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव में बस्तर की सभी 12 विधानसभा सीटों पर विजय प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। इसके लिए प्रत्येक बूथ तक संगठन को मजबूत किया जाएगा। बैज ने आरोप लगाया कि आदिवासियों को तेंदूपत्ता संग्रह की अनुमति नहीं दी जा रही है, जबकि उद्योगपतियों को बस्तर के खनिज उत्खनन की मंजूरी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा आज सबसे बड़ा मुद्दा है और कांग्रेस इसके लिए जनसंघर्ष जारी रखेगी। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने कहा कि बस्तर शांति, प्रेम और भाईचारे की धरती है, लेकिन लंबे समय तक संघर्ष और हिंसा का दंश झेलता रहा है। अब जब नक्सलवाद समाप्ति की ओर है, तब बस्तर के सामने नई चुनौतियां खड़ी की जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बस्तर को उजाड़ने की साजिश रची जा रही है। बोधघाट परियोजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे विषयों पर स्थानीय लोगों और आदिवासी समाज की सहमति आवश्यक है। महंत ने कहा कि जल, जंगल और जमीन आदिवासी समाज की अस्मिता से जुड़े हैं। कांग्रेस इनके संरक्षण के लिए लगातार संघर्ष करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संदेश के अनुरूप पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता आदिवासियों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए उनके साथ खड़ा रहेगा। सम्मेलन में लखेश्वर बघेल, देवती कर्मा, गुरुमुख सिंह होरा, प्रदेश कांग्रेस महामंत्री मलकीत सिंह गैदु सहित जिलेभर के कांग्रेस पदाधिकारी, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवादल, विभिन्न मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के प्रतिनिधि, पंचायत जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# फिशरी सेंटर बनेगा ट्रेनिंग हब, किसानों को सिखाई जाएगी आधुनिक तकनीक






## कृषि मंत्री ने तीन जिलों की योजनाओं की समीक्षा की, बोले, खेती और मत्स्य पालन से बढ़ेगी किसानों की आय; लापरवाही पर अधिकारियों को कार्रवाई की चेतावनी

**बीजापुर/मूक पत्रिका**

**आशीष पदमवार।** बस्तर संभाग में खेती और मत्स्य पालन को आय का मजबूत जरिया बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। गुरुवार को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने बीजापुर, दंतेवाड़ा और सुकमा जिले की कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन और मत्स्य पालन विभाग की योजनाओं की समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने बीजापुर के मत्स्य पालन केंद्र का निरीक्षण कर इसे आधुनिक प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। बैठक में बस्तर सांसद महेश कश्यप भी मौजूद रहे। मंत्री ने कहा कि बीजापुर का मत्स्य पालन केंद्र केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे किसानों के प्रशिक्षण का मॉडल सेंटर बनाया जाएगा। यहां आसपास के किसानों को मत्स्य पालन की आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे स्वरोजगार से जुड़ सकें और उनकी आय बढ़ सके। लगभग 1.50 करोड़ रुपए की लागत से तैयार इस केंद्र को आधुनिक सुविधाओं से विकसित करने पर भी जोर दिया गया। समीक्षा बैठक में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, नलकूप निर्माण, मक्का, हल्दी, कोदो-कुटकी, दलहन, तिलहन और गन्ने जैसी फसलों के उत्पादन बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा हुई। बीजापुर में मक्का उत्पादन में हुई वृद्धि की सराहना करते हुए किसानों को आधुनिक तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। दंतेवाड़ा में सफल जैविक खेती मॉडल को बस्तर संभाग के अन्य जिलों में भी लागू करने के निर्देश दिए गए। मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से कोई भी पात्र किसान वंचित नहीं रहना चाहिए। सभी किसानों की फार्मर आईडी तैयार करने और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों तक भी योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान टीकाकरण, मोबाइल वेटनरी यूनिट, राष्ट्रीय गोकुल मिशन, बकरी और सूकर पालन योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली गई। वहीं मत्स्य पालन विभाग में हैचरी विस्तार, मछली एवं झींगा पालन, किसान क्रेडिट कार्ड और अन्य योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को तय समय-सीमा में लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए गए। मत्स्य पालन केंद्र में मंत्री ने हितग्राहियों को विभागीय सामग्री भी वितरित की। उन्होंने कहा कि बस्तर का प्राकृतिक वातावरण कृषि, मत्स्य पालन और जैविक खेती के लिए बेहद अनुकूल है।

# ख़बर का नहीं हुआ कोई असर शिक्षा अधिकारी बने रहे मूकदर्शक

मूक पत्रिका
बस्तर संभाग
www.mookpatrika.com
6

**गुणवत्ता हीन पुलिया निर्माण एवं शिक्षकों के स्थानांतरण को लेकर जनपद सदस्यों ने लिखित आवेदन प्रस्तुत कर कलेक्टर से की निष्पक्ष जांच की मांग की**

अनियमितता का आरोप, जनपद सदस्यों ने कलेक्टर से की निष्पक्ष जांच की मांग

**जगदलपुर /मूक पत्रिका**

**पवन कुमार नाग**-बस्तर बकावंड। छत्तीसगढ़ के शिक्षा मंत्री द्वारा हाल ही में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने, विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने तथा शिक्षकों की व्यवस्था को मजबूत करने जैसी महत्वपूर्ण बातें कही गई। सरकार लगातार यह दावा कर रही है कि प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया जा रहा है। लेकिन यदि बस्तर जिले के बकावंड विकासखंड की जमीनी स्थिति देखी जाए तो सरकारी दावों और वास्तविकता के बीच बड़ा अंतर साफ दिखाई देता है। बकावंड विकासखंड के कई प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय आज भी केवल एक शिक्षक के भरोसे संचालित हो रहे हैं, जबकि कुछ विद्यालय ऐसे भी हैं जहाँ लंबे समय से शिक्षक का अभाव बना हुआ है। ऐसे में सबसे अधिक नुकसान उन ग्रामीण और आदिवासी अंचलों के विद्यार्थियों का हो रहा है, जिन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का दावा सरकार करती है।सबसे बड़ा सवाल यह है शिक्षा मंत्री का आदेश का भी अवहेलना, अतिशेष शिक्षकों को अपने मनचाहे जगहों पर क्यों भेजा गया है। एकल शिक्षक विद्यालयों में पदस्थ शिक्षक को एक साथ प्रधानपाठक, शिक्षक, कार्यालयीन कार्य, ऑनलाइन पोर्टल की जानकारी अपलोड करना, विभिन्न शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन, विभागीय बैठकों में शामिल होना, निर्वाचन कार्य, जनगणना, सर्वे सहित अनेक जिम्मेदारियाँ निभानी पड़ती हैं। इन परिस्थितियों में विद्यार्थियों को नियमित और गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई उपलब्ध कराना बेहद कठिन हो जाता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब शासन द्वारा एकल शिक्षक एवं शिक्षकविहीन विद्यालयों की समस्या दूर करने के उद्देश्य से अतिशेष शिक्षकों की व्यवस्था कर उन्हें ऐसे विद्यालयों में पदस्थ किया गया था, तो बाद में किन परिस्थितियों और किसके निर्देश पर उन शिक्षकों को पुनः उनके पूर्व पदस्थापना स्थानों पर भेज दिया गया? यदि उन्हें वापस हटाना ही था, तो एकल शिक्षक और शिक्षकविहीन विद्यालयों की समस्या का समाधान कैसे होगा? शिक्षा विभाग की प्राथमिकता सबसे पहले उन विद्यालयों को मिलनी चाहिए थी जहां वर्षों से एक ही शिक्षक पूरे विद्यालय का संचालन कर रहा है या जहां शिक्षक ही नहीं हैं। शिक्षा का अधिकार तभी सार्थक होगा जब प्रत्येक विद्यालय में पर्याप्त संख्या में शिक्षक उपलब्ध होंगे। केवल कागजों में व्यवस्था सुधार लेने से शिक्षा व्यवस्था मजबूत नहीं हो सकती। ग्रामीण क्षेत्रों के अभिभावकों का कहना है कि सरकार और प्रशासन शिक्षा सुधार के बड़े-बड़े दावे तो करते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति इसके विपरीत दिखाई देती है। यदि अधिकारी स्वयं इन विद्यालयों का निरीक्षण करें तो उन्हें वास्तविकता का पता चल जाएगा कि एक शिक्षक किन कठिन परिस्थितियों में पूरे विद्यालय की जिम्मेदारी निभा रहा है।शिक्षा विशेषज्ञों का भी मानना है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहली शर्त पर्याप्त शिक्षक हैं। जब तक एकल शिक्षक एवं शिक्षकविहीन विद्यालयों की समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जाएगा, तब तक शिक्षा में सुधार के दावे अधूरे ही रहेंगे। अब आवश्यकता इस बात की है कि शासन और शिक्षा विभाग केवल घोषणाओं तक सीमित न रहकर जमीनी स्तर पर वास्तविक सुधार सुनिश्चित करें। बकावंड सहित पूरे बस्तर क्षेत्र के एकल शिक्षक एवं शिक्षकविहीन विद्यालयों में तत्काल शिक्षकों की नियुक्ति की जाए तथा पूर्व में की गई अतिशेष शिक्षकों की व्यवस्था की भी निष्पक्ष समीक्षा की जाए, ताकि ग्रामीण और आदिवासी अंचलों के बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सके बकावड ब्लॉक के अंतर्गत कई विद्यालयों में आज भी शिक्षक हिविन एकल शिक्षक के भरोसे चल रही है स्कूल में बच्चों का दंज संख्या इस प्रकार है शासकीय माध्यमिक शाला जैबेल 2 में 53 बच्चे पांच वर्ष से प्रथमिक शाला छिन्दगाव 1में 62 बच्चे महिला शिक्षिका तीन वर्षो से पदस्थ प्राथमिक शाला चालानगुडा 35 बच्चे एक शिक्षक 2 वषों से पदस्थ हैं। बकावंड ब्लाक में कई स्कूल है जो दशकों से ऐसे एकल शिक्षक, शिक्षक विहिन शालाएं संचालित है जिसे भाजपा और कांग्रेस सरकार कई बार आए और गए किसी ने भी ध्यान नही दिया। सरकारों का वादा खोखला का खोखला रह गया है।

**राष्ट्रीय जनसम्मेलन का हुआ सीधा प्रसारण, ग्रामीण विकास की नई कार्ययोजना से गांवों को मिलेगी नई पहचान, मनरेगा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सरपंच, तकनीकी सहायक एवं मेट हुए सम्मानित**

# विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने की दिशा में बड़ा कदम, विकासखंड साजा में VBGRAMG का शुभारंभ






**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

2 जुलाई 2026 भारत सरकार के विकसित भारत-2047 के संकल्प को ग्राम स्तर तक साकार करने तथा योजनाबद्ध, तकनीक आधारित एवं समग्र ग्रामीण विकास को गति देने के उद्देश्य से आज विकासखंड साजा के सभाकक्ष में ड्क्नन्त्र्ल्ल के शुभारंभ अवसर पर राष्ट्रीय स्तरीय जनसम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण विकासखंड स्तरीय आयोजन में किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता की।कार्यक्रम का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ भारत सरकार के केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ड्क्नन्त्र्ल्ल गांवों के समग्र एवं सतत विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। इसके माध्यम से प्रत्येक ग्राम पंचायत अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप दीर्घकालिक विकास योजना तैयार करेगी, जिससे आधारभूत सुविधाओं का विस्तार, रोजगार के अवसरों में वृद्धि, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक एवं डिजिटल मॉनिटरिंग के माध्यम से विकास कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी। विकासखंड साजा में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता साजा विधायक श्री ईश्वर साहू ने की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत के विजन तथा मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार गांव, गरीब, किसान एवं महिलाओं के सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

ड्क्नन्त्र्ल्ल के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों को नई दिशा मिलेगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार और जनकल्याणकारी योजनाओं का बेहतर लाभ सुनिश्चित होगा।उन्होंने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से यह अभियान एक जनआंदोलन का रूप लेगा और आत्मनिर्भर, स्वच्छ, समृद्ध एवं विकसित गांवों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर पूर्व विधायक ने कहा कि 1 जुलाई से प्रारंभ हुआ ड्क्नन्त्र्ल्ल भारत सरकार की दूरदर्शी पहल है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को ग्राम स्तर पर साकार करना है। ग्राम पंचायतों की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार की जाने वाली विकास कार्ययोजनाएं गांवों के सर्वांगीण विकास का मजबूत आधार बनेंगी। आधुनिक तकनीक के माध्यम से योजनाओं की निगरानी, पारदर्शिता और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा। कार्यक्रम में जनपद पंचायत के अधिकारियों द्वारा ड्क्नन्त्र्ल्ल की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया गया कि यह पहल ग्राम पंचायतों में दीर्घकालिक विकास योजना तैयार करने, विभिन्न विभागों के समन्वय से कार्यों के क्रियान्वयन तथा जनभागीदारी को बढ़ावा देने का प्रभावी माध्यम बनेगी।कार्यक्रम के दौरान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के प्रभावी क्रियान्वयन में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सरपंचों, तकनीकी सहायकों एवं मेटों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे सम्मान पंचायत स्तर पर उत्कृष्ट कार्य संस्कृति को बढ़ावा देते हैं और अन्य पंचायतों के लिए प्रेरणा का कार्य करते हैं।कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिलेवासियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों से अपील की है कि वे इस महत्वाकांक्षी अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए ग्राम पंचायतों की विकास योजनाओं को सफल बनाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन शासन की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा गांवों के समग्र विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बेरला सोमनाथ साहू, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, तकनीकी सहायक, मेट, स्व-सहायता समूह की महिलाएं तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आभार प्रदर्शन मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोमनाथ साहू द्वारा किया गया।

## संक्षिप्त समाचार

### पोलियो फ्री पाकिस्तान लिखे पोस्टर पर मचा बवाल

**कराची , एजेंसी।** राजौरी जिले में पल्स पोलियो अभियान से जुड़े एक कथित अनधिकृत जागरूकता पोस्टर को लेकर स्वास्थ्य विभाग में विवाद खड़ा हो गया है। पोस्टर पर 'पोलियो फ्री पाकिस्तान' का नारा और नेशनल इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर का लोगो प्रकाशित होने के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी राजौरी ने मामले को गंभीर मानते हुए ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर कंडी से विस्तृत स्पष्टीकरण और तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। सी.एम.ओ. कार्यालय की ओर से जारी पत्र के अनुसार इंटेंसिफाइड पल्स पोलियो इम्यूनाइजेशन (आई.पी.पी.आई.)-2026 से संबंधित यह आई.ई.सी. पोस्टर सोशल मीडिया और विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुपों में व्यापक रूप से प्रसारित किया गया। पोस्टर पर बी.एम.ओ. कंडी का नाम और पदनाम अंकित होने से यह संदेश गया कि इसे स्वास्थ्य विभाग की आधिकारिक स्वीकृति प्राप्त है। हालांकि विभागीय जांच में पाया गया कि पोस्टर पर 'पोलियो फ्री पाकिस्तान' का नारा और एन.ई.ओ.सी. का लोगो इस्तेमाल किया गया है, जिनका जम्मू-कश्मीर स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग अथवा भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के किसी भी अधिकृत कार्यक्रम से कोई संबंध नहीं है। विभाग का कहना है कि इस प्रकार की सामग्री न केवल अनधिकृत और भ्रामक है, बल्कि इससे सरकारी स्वास्थ्य अभियानों के प्रति आम लोगों में भ्रम की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है। सी.एम.ओ. डॉ. एम.एल. राणा ने बी.एम.ओ. कंडी को निर्देश दिया है कि वे स्पष्ट करें कि पोस्टर किसके द्वारा तैयार, स्वीकृत, मुद्रित और प्रसारित किया गया? क्या इसके लिए सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति ली गई थी? पोस्टर में प्रयुक्त लोगो और 'पोलियो फ्री पाकिस्तान' जैसे नारे को किसके निर्देश पर शामिल किया गया? तथा कम्युनिटी हैल्थ ऑफिसर द्वारा इसके प्रसार की अनुमति किसने दी? सी.एम.ओ. ने चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय के भीतर संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया गया तो उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर मामले की जांच कर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

### ब्रिटेन की रक्षा खर्च निवेश योजना में देरी से सैन्य आपूर्ति कंपनियों पर बुरा असर



**लंदन, एजेंसी।** ब्रिटेन में रक्षा निवेश योजना में नौ महीने की देरी के कारण सैन्य आपूर्ति से जुड़ी कंपनियों पर बुरा असर पड़ रहा है। रूस से बढ़ते खतरे के बीच रक्षा खर्च की योजनाओं को तय करने में इस देरी के कारण कुछ छोटे सप्लायर बर्बाद हो गए हैं, दूसरों ने निवेश रोक दिया है और कई अन्य ने विदेशों में विस्तार का फैसला किया है। हालांकि, प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर के मंगलवार को रक्षा निवेश योजना जारी करने की उम्मीद है। रक्षा और वित्त विभागों के बीच इस बात पर महीनों तक बहस चली थी कि अनुमानित ₤28 बिलियन पाउंड की कमी को कैसे पूरा किया जाए। एआई डिफेंस कंपनी ऑक्सफोर्ड डायनामिक्स की चीफ एग्जीक्यूटिव शेफली शर्मा ने कहा, हमें रक्षा निवेश योजना की जरूरत है, ताकि निजी निवेशकों को भरोसा मिल सके। इसके न होने से व्यापार को नुकसान हो रहा है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय से कांट्रैक्ट मिलने बंद हो गए हैं और छोटी-मोटी खरीद में भी सामान्य से ज्यादा समय लग रहा है। इससे कंपनियां विदेशों में विस्तार पर ध्यान देने को मजबूर हैं। परिणामस्वरूप दर्जनों छोटी कंपनियां या तो बंद हो गई हैं या दूसरे उद्योगों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपनी डिफेंस यूनिट्स बंद कर दी हैं। डिफेंस कंपनी कोहोर्ट के चीफ एग्जीक्यूटिव ने कहा कि पिछले 18 महीनों में जर्मनी, पोलैंड, नार्डिक और बाल्टिक देशों की सेनाओं से मांग साफ तौर पर बढ़ी है, जबकि ब्रिटेन में ऐसा नहीं हुआ है।

# सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान की नई चेतावनी

## 'हमारे हक का पानी छीना तो हाथ काट देंगे'

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** भारत के साथ बढ़ते पानी के झगड़े में पाकिस्तान ने एक और चेतावनी दी है। क्लाइमेट चेंज मिनिस्टर मुसादिक मलिक ने ऐलान किया है कि इस्लामाबाद उन हाथों को काट देगा जो इंडस वाटर्स ट्रीटी के तहत इस्लामाबाद के हिस्से पर दावा करने की कोशिश करेंगे। उनकी यह बात ऐसे समय में आई है जब 2025 के पहलगाम आतंकी हमले के बाद नई दिल्ली के इस ट्रीटी को रोकने के फैसले के बाद दशकों पुराने पानी के बंटवारे के समझौते पर तनाव और गहराता जा रहा है। इन्फॉर्मेशन मिनिस्टर अताउल्लाह तरार के साथ एक जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए, क्लाइमेट चेंज मिनिस्टर मुसादिक मलिक ने भारत पर अपनी पानी की सप्लाई को कंट्रोल करने की कोशिश करने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि अगर इस्लामाबाद के पानी के अधिकारों को खतरा हुआ तो इसके नतीजे भुगतने होंगे। डॉन के मुताबिक, मलिक ने कहा, एक पड़ोसी देश के प्रधानमंत्री एक नल को कंट्रोल कर रहे हैं। वह कहते हैं कि वह पाकिस्तान में पानी की एक बूंद भी नहीं बहने देंगे। इसके बाद उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में सबसे कड़ी चेतावनी दी। मलिक ने ट्रीटी के तहत पानी के अपने हिस्से की सुरक्षा के लिए पाकिस्तान के वादे को भी दोहराया और कहा कि भारत को पाकिस्तान को दिए गए पानी के बहाव में रुकावट डालने की इजाज़त नहीं दी जाएगी। तरार ने कहा कि ट्रीटी के तहत पाकिस्तान के अधिकार इंटरनेशनल कानून से सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, हमारे लोगों को कानूनी तौर पर लागू होने वाली ट्रीटी के ज़रिए पानी का अधिकार है, जिसे दोनों देशों ने माना था, और जो आज भी लागू है।

### गहराता जा रहा इंडस ट्रीटी विवाद

1960 में वर्ल्ड बैंक द्वारा की गई इंडस वॉटर्स ट्रीटी, भारत और पाकिस्तान के बीच इंडस नदी सिस्टम के बंटवारे को कंट्रोल करती है। इस एग्रीमेंट के तहत, भारत पूर्वी नदियों – रावी, ब्यास और सतलुज – को कंट्रोल करता है, जबकि पाकिस्तान को पश्चिमी नदियों - सिंधु, झेलम और चिनाब - का ज़्यादातर पानी मिलता है। यह एग्रीमेंट लड़ाइयों और दशकों के तनाव के बाद भी बना रहा, लेकिन अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, भारत द्वारा इस ट्रीटी को रोक दिए जाने के बाद इस पर नया दबाव आया। इससे पहले, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी चेतावनी दी थी कि अगर पाकिस्तान की पानी की सुरक्षा खतरे में पड़ती है तो वह मिलिट्री एक्शन ले सकता है।

### पाकिस्तान ने इंडस ट्रीटी का बचाव किया

प्रेस कॉन्फ्रेंस में, पाकिस्तानी सूचना मंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि इंडस वॉटर्स ट्रीटी कानूनी तौर पर बनी हुई है और इसे एकतरफ़ा तौर पर सस्पेंड, रद्द या बदला नहीं जा सकता। तरार ने कहा कि इंडस वॉटर्स ट्रीटी पर पाकिस्तान के रुख को इंटरनेशनल सपोर्ट मिला है और उन्होंने कहा कि एग्रीमेंट को सस्पेंड करने के भारत के कदम को दुनिया भर में बहुत कम सपोर्ट मिला है। तरार ने कहा, इंडस ट्रीटी अभी भी लागू है क्योंकि भारत के रुख को किसी भी प्लेटफ़ॉर्म पर स्वीकार नहीं किया गया है। तरार ने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ और पाकिस्तानी आर्मी चीफ़ फ़ील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने बार-बार कहा है कि पानी हमारी लाइफ़लाइन है, साथ ही हमारी रेड लाइन भी है।

# बातचीत पर अमेरिका-ईरान के दावों में विरोधाभास

## ट्रंप बोले- बैठक होगी, ईरान ने दिया दो टूक जवाब- नहीं

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका और ईरान ने सोमवार को अलग-अलग घोषणा की कि वे इस हफ्ते कतर में प्रतिनिधिमंडल भेजेंगे, हालांकि तेहरान ने ज़ोर देकर कहा कि वह अमेरिका के साथ किसी भी स्तर पर बातचीत करने के लिए सहमत नहीं हुआ है, क्योंकि सप्ताहांत में फ़ारस की खाड़ी में हुए हमलों ने युद्ध खत्म करने की बातचीत को दिशाहीन कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान ने अमेरिका के साथ बैठक का अनुरोध किया है और दोनों पक्ष मंगलवार को दोहा (कतर) में मिलने की योजना बना रहे हैं। लेकिन ईरान के एक वरिष्ठ वार्ताकार ने ऐसी किसी बैठक से इनकार किया।
वहीं, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि उनका प्रतिनिधिमंडल कतर जाएगा, जो वार्ता में एक प्रमुख मध्यस्थ है, लेकिन वहां अमेरिका की भागीदारी के बिना अंतरिम समझौते की शर्तों पर चर्चा की जाएगी। हाल के दिनों में होर्मुज़ जलडमरूमध्य में तनाव काफी बढ़ गया है। युद्ध शुरू होने से पहले दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल की आपूर्ति इसी मार्ग से होती थी। लगातार चार दिनों तक हमलों के बाद सोमवार को दोनों पक्षों ने अपने हमले रोक दिए। अमेरिका और ईरान ने इसी महीने एक अंतरिम समझौता किया था, जिसके तहत ईरान अपने संवर्द्धित यूरेनियम के भंडार को कम करेगा। अमेरिका तेल प्रतिबंधों में राहत देगा, होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी और दोनों देशों को व्यापक समझौते के लिए 60 दिन का समय दिया जाएगा।
ट्रंप के सोशल मीडिया पर बैठक की घोषणा करने के बाद व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने बताया कि विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जारेड कुशनर कतर रवाना हो रहे हैं। इस वार्ता में एक अन्य मध्यस्थ पाकिस्तान ने भी कहा था कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत मंगलवार से फिर शुरू होगी। हालांकि, ईरान के वरिष्ठ वार्ताकार कासिम घरीबाबादी ने सरकारी मीडिया से कहा कि किसी वार्ता की पुष्टि नहीं हुई है। वहीं विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल कतर जाकर जब्त ईरानी धन की रिहाई और अंतरिम समझौते से जुड़े अन्य मुद्दों पर चर्चा करेगा। उन्होंने कहा, आने वाले दिनों में अमेरिका के साथ किसी भी स्तर पर कोई वार्ता निर्धारित नहीं है।

### आगे बढ़ते हुए : स्कोडा ऑटो इंडिया ने H1 2026 में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया

**रायपुर।** स्कोडा ऑटो इंडिया ने वर्ष 2025 में अपने अब तक के सबसे सफल वर्ष से प्राप्त गति को 2026 की पहली छमाही में भी बरकरार रखा है। ब्रांड ने कुल 38,894 वाहनों की बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 7.5% की वृद्धि दर्शाती है। वर्ष 2025 की पहली छमाही में ब्रांड ने भारत में अपने 25 वर्षों के इतिहास की उस समय की सर्वाधिक अर्धवार्षिक बिक्री दर्ज की थी। H1 2026 के साथ कंपनी ने अपने रिकॉर्ड स्थापित करने वाले वर्ष से भी आगे बढ़ते हुए एक नई उपलब्धि हासिल की है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर, आशीष गुप्ता ने कहा, हमारी रिकॉर्ड अर्धवार्षिक बिक्री स्कोडा ब्रांड पर ग्राहकों के बढ़ते विश्वास और भरोसे को दर्शाती है। वर्ष 2026 में हमने अपने उत्पादों पर केंद्रित रणनीति, ग्राहक–प्रथम पहलों और उत्कृष्टता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के माध्यम से इस विश्वास को और मजबूत किया है। नई कुशाक, अपडेटेड कोडियाक तथा बिल्कुल नई कोडियाक आरएस को ग्राहकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। विशेष रूप से कोडियाक आरएस, जो केवल छह मिनट में पूरी तरह बिक गई, बाजार में मजबूत मांग का प्रमाण है। वहीं कायलैक लगातार बिक्री को गति दे रही है और स्लाविया हमारी सेडान विरासत को और सशक्त बना रही है। भारत में दीर्घकालिक और सतत विकास को समर्थन देने के लिए हम विशिष्ट उत्पाद, पारदर्शी संवाद और ग्राहकों को उत्कृष्ट वाहन स्वामित्व अनुभव प्रदान करने पर निरंतर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं।

### पाकिस्तान के अफगानिस्तान पर हवाई हमलों की भारत ने की निंदा, कहा- यह क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा



**इस्लामाबाद, एजेंसी।** भारत ने सोमवार को अफगान क्षेत्र पर पाकिस्तान द्वारा किए गए हवाई हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की है। भारत ने इन हमलों को अफगानिस्तान की संप्रभुता का घोर उल्लंघन करार दिया है। यह कड़ी प्रतिक्रिया तब आई है जब काबुल ने जानकारी दी कि पाकिस्तान के इस सीमा पार सैन्य अभियान में महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 36 नागरिक मारे गए हैं।विदेश मंत्रालय ने एक तीखे बयान में पाकिस्तान पर आक्रामकता का आरोप लगाया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान की यह कार्रवाई न केवल अफगानिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता को कमजोर करती है, बल्कि पूरे क्षेत्र की शांति और स्थिरता के लिए भी एक बड़ा खतरा है।

**अफगानिस्तान के प्रति जताया समर्थन:** सीमा पर बढ़ते तनाव और पाकिस्तान द्वारा कथित आतंकी ठिकानों पर की गई सैन्य कार्रवाई के बीच, भारत की यह प्रतिक्रिया अब तक की सबसे सख्त टिप्पणियों में से एक मानी जा रही है। अफगान जनता के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त करते हुए नई दिल्ली ने कहा कि वह अफगानिस्तान की संप्रभुता के साथ मजबूती से खड़ा है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, पाकिस्तान का यह कदम अफगानिस्तान की संप्रभुता पर सीधा हमला है।

# पाकिस्तान बना इंसानी अंगों और मांस तस्करी का अड्डा

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान की फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने इस्लामाबाद में कथित तौर पर मानव प्लेसेंटा (गर्भनाल) की अवैध प्रोसेसिंग और तस्करी करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में तीन चीनी नागरिकों और दो पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। स्नद्ध ने इस्लामाबाद के स्न-7/1 और श्व-11 सेक्टरों में छापेमारी की। जांच एजेंसी के अनुसार, दोनों स्थानों पर मानव जैविक सामग्री की अवैध प्रोसेसिंग की जा रही थी। यहां से प्रोसेसिंग मशीनें, तैयार सामग्री और जैविक नमूने बरामद किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में आरोप है कि आरोपी अस्पतालों से मानव प्लेसेंटा एकत्र करते थे, उसे सुखाकर और प्रोसेस कर भेड़ का प्लेसेंटा घोषित करते हुए वियतनाम समेत अन्य देशों में निर्यात करते थे। अधिकारियों के अनुसार, इसका उपयोग कथित रूप से दवा और कॉस्मेटिक उत्पादों के निर्माण में किया जाना था। एफआईए का कहना है कि यह नेटवर्क कथित रूप से रावलपिंडी, इस्लामाबाद, पेशावर और लाहौर के कुछ अस्पतालों से मानव प्लेसेंटा हासिल करता था। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या इस नेटवर्क में अस्पतालों या मेडिकल स्टाफ के कुछ लोग भी शामिल थे।

## नासा का महामिशन: धरती की ओर गिर रहे ब्रह्मास्त्र को बचाने के लिए खर्च करेगा 30 हजार करोड़



**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा अपने एक पुराने लेकिन बेहद महत्वपूर्ण ब्रह्मास्त्र यानी स्विफ्ट टेलीस्कोप को बचाने के लिए एक विशाल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करने जा रही है। अंतरिक्ष से आ रही बड़ी खबर के अनुसार, यह टेलीस्कोप धीरे-धीरे अपनी कक्षा (ऑर्बिट) खो रहा है और धरती की ओर गिर रहा है। इसे बचाने के लिए नासा करीब 30 हजार करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बना रहा है।

**क्यों जरूरी है स्विफ्ट टेलीस्कोप?:** स्विफ्ट टेलीस्कोप पिछले दो दशकों से ब्रह्मांड के रहस्यों को सुलझाने में अहम भूमिका निभा रहा है। यह विशेष रूप से अंतरिक्ष में होने वाले गामा-रे बर्स्ट जैसे शक्तिशाली विस्फोटों और अन्य बड़ी खगोलीय घटनाओं पर नजर रखता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह आज भी पूरी तरह से कार्यात्मक है और ब्रह्मांड की महत्वपूर्ण जानकारी भेज रहा है, इसलिए इसे खोना विज्ञान के लिए बड़ा नुकसान होगा,।

**मिशन की मुख्य बातें:** बचाव का तरीका: नासा इस मिशन के लिए पेगासस रॉकेट का इस्तेमाल करेगा। पहली बार किसी पुराने उपग्रह को बचाने के लिए इस तरह का विशेष अंतरिक्ष मिशन चलाया जा रहा है।

तकनीकी खराबी: साल 2004 में लॉन्च किए गए इस टेलीस्कोप की बैटरी अब कमजोर हो गई है और इसके सोलर पैनल पहले की तरह काम नहीं कर रहे हैं, जिससे यह अपने रास्ते से भटक कर नीचे आ रहा है।

**प्राइवेट पार्टनरशिप:** नासा ने इस काम की जिम्मेदारी कैटेलिस्ट स्पेस टेक्नोलॉज को सौंपी है, जो स्विफ्ट को वापस ऊपरी कक्षा में पहुंचाने के लिए बूस्टर सिस्टम प्रदान करेगी।

समय सीमा: नासा के विज्ञान प्रमुख निक फॉक्स के अनुसार, स्विफ्ट को सितंबर तक सुधार की जरूरत है और उम्मीद है कि यह रेस्क्यू मिशन अक्टूबर तक पूरा कर लिया जाएगा।

हबल टेलीस्कोप पर भी मंडरा रहा खतरा रिपोर्ट्स के मुताबिक, न केवल स्विफ्ट बल्कि नासा का मशहूर हबल स्पेस टेलीस्कोप भी अब उम्रदराज हो रहा है। करीब 36 साल पुराना हो चुका हबल भी भविष्य में इसी तरह की चुनौतियों का सामना कर सकता है, जिसे लेकर वैज्ञानिक अभी से चिंतित हैं।

# युद्धविराम के बावजूद गाजा में फिर बरसे इजराइली बम

## दो बच्चों समेत 8 फिलीस्तीनियों की मौत



**गाजा, एजेंसी।** दक्षिणी और मध्य गाजा में सोमवार को इजराइल के हवाई हमलों में दो बच्चों समेत कम से कम आठ फिलीस्तीनियों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हुए। स्वास्थ्य अधिकारियों और आपातकालीन सेवाओं ने यह जानकारी दी। खान यूनिस के अल-मवासी इलाके में एक शिविर पर किए गए हमले में 23 वर्षीय महिला और उसकी एक वर्षीय बेटी की मौत हो गई। वहीं, नासिर अस्पताल ने बताया कि करारा कस्बे में एक अन्य हमले में 31 वर्षीय युवक की जान चली गई, जिसकी कुछ महीने पहले ही शादी हुई थी और उसकी पत्नी गर्भवती है। इसी क्षेत्र में विस्थापित लोगों के शिविर पर हुए एक अन्य हमले में दो लोगों की मौत हुई और 13 अन्य घायल हो गए। घायलों को अल-मवासी स्थित फलस्तीनी रेड क्रिसेंट के फील्ड अस्पताल में भर्ती कराया गया। मध्य गाजा के दीर अल-बला में ड्रोन हमले में कम से कम तीन फलस्तीनियों की मौत हो गई, जिनमें आठ वर्षीय मलिक अबू शवीश और उसके दादा भी शामिल हैं। अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, मलिक उस समय अपनी मां के तंबू में आया हुआ था और हमले में उसकी मां सहित सात लोग घायल हो गए। इजराइली सेना ने कहा कि हमला एक चरमपंथी को निशाना बनाकर किया गया था, लेकिन उसकी पहचान या मौत की पुष्टि नहीं की। इजराइली सेना ने रविवार को दक्षिणी गाजा में हुए एक हमले में इस्लामिक जिहाद के सदस्य जाहेर अबू सलेम के मारे जाने का दावा किया। उसी दिन गाजा में विभिन्न हमलों में कुल चार लोगों की मौत हुई, जिनमें 13 वर्षीय लड़की भी शामिल थी। अक्टूबर में युद्धविराम लागू होने के बाद बड़े पैमाने पर लड़ाई भले कम हुई हो, लेकिन इजराइली सेना लगभग रोजाना हवाई हमले कर रही है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, युद्धविराम के बाद से अब तक 1,045 फलस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिनमें 360 से अधिक महिलाएं और बच्चे हैं।

### चीन का बौद्ध प्रतिनिधिमंडल भारत में प्रसिद्ध स्थलों की करेगा यात्रा

**बीजिंग, एजेंसी।** चीन से बौद्ध तीर्थयात्रियों और छात्रों के 31 सदस्यों वाले प्रतिनिधिमंडल का पहला जत्था भारत की यात्रा करेगा। शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने कहा कि प्रमुख स्थलों में वाराणसी, बोधगया, राजगीर और नालंदा शामिल हैं। माथुर ने सोमवार को यांगझोऊ के एआइ हब में स्थित ऐतिहासिक सियुन मठ के प्रमुख एबाट शी झोंगशान के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और उनसे नालंदा के पुनर्निर्माण और जीर्णोद्धार को देखने का आग्रह किया। नालंदा में जुआनजांग मेमोरियल हाल और अपनी तरह के अनोखे नेट-ज़ीरो ग्रीन नालंदा यूनिवर्सिटी कैंपस जैसे स्थल भारत और चीन के बीच सदियों पुराने बौद्ध संबंधों, शैक्षणिक आदान-प्रदान और लोगों के बीच आपसी संपर्क के महत्वपूर्ण प्रतीक बनकर उभरे हैं।

### इस सीजन हाईएस्ट गोल करने में मेसी की बराबरी की; मैक्सिको ने इक्वाडोर को हराया

# फुटबॉल वर्ल्डकप में एमबाप्पे के डबल गोल से जीता फ्रांस

पिछली बार की फाइनलिस्ट फ्रांस ने बुधवार के पहले मैच में स्वीडन को 3-0 से हराकर फुटबॉल वर्ल्ड कप के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। साथ ही सह-मेजबान मैक्सिको ने इक्वाडोर को 2-0 से हराकर 40 साल बाद नॉकआउट राउंड का मैच जीता है। इस जीत के शहर के कई जगह सेलिब्रेशन हुए। इस दौरान 2 फैंस की दम घुटने से मौत हो गई।

न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में फ्रांस के लिए किलियन एमबाप्पे ने दो और ब्रैडली बारकोला ने एक गोल किया। एमबाप्पे ने इस सीजन सबसे ज्यादा गोल करने के मामले में लियोनेल मेसी के बराबरी पर पहुंच गए। दोनों के नाम 6-6 गोल हैं।

मैक्सिको सिटी स्टेडियम में मैक्सिको के जूलियन क्विन्योनेस ने 22वें और राउल जिमेनेज ने 31वें मिनट में गोल किए। इंजरी टाइम के 5वें मिनट में पिएरो हिनकापिए को रेड कार्ड मिला। अब फ्रांस का सामना पैराग्वे से 5 जुलाई को होगा। जबकि, मैक्सिको 6 जुलाई को इंग्लैंड और कांगो डीआर के विजेता से खेलेगी।

सेलिब्रेशन के दौरान सेल्फी लेती मैक्सिको की फैन।

### मैक्सिको ने 40 साल बाद नॉकआउट मैच जीता

1986 में अपने घर में खेले गए वर्ल्ड कप में बुल्गारिया को हराने के बाद यह पहली बार है, जब मैक्सिको ने नॉकआउट चरण का कोई मुकाबला जीता है। इसके बाद टीम 1994, 1998, 2002, 2006, 2010, 2014 और 2018 वर्ल्ड कप में लगातार सात नॉकआउट मुकाबले हार गई थी। वहीं, 2022 कतर वर्ल्ड कप में टीम ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई थी। मैच से पहले इक्वाडोर की टीम ने स्नढ्ढस्न से शिकायत की है कि मैक्सिको के फैंस ने उन्हें पूरी रात सोने नहीं दिया। वे टीम के होटल के बाहर जमा थे और हॉर्न, ढोल, मोटरसाइकिल, कारों और ष्ठद्ध की तेज आवाज से विरोधी टीम को परेशान करने की कोशिश की।
मैच के दौरान फिर लगा विवादित नारा मैच के 5वें मिनट में जब इक्वाडोर के गोलकीपर हर्नान गालिंदेज गोल किक लेने जा रहे थे, तब मैक्सिको के फैंस ने स्पेनिश भाषा का एक अपमानजनक और समलैंगिक-विरोधी नारा लगाया। टूर्नामेंट में यह दूसरी बार है, जब यह नारा सुनाई दिया।

फ्रांस और स्वीडन

### एमबाप्पे वर्ल्ड कप में नॉकआउट के टॉप गोल स्कोरर

एमबाप्पे ने 45वें और 74वें मिनट में गोल किए। उन्हों20ने इस वर्ल्ड कप में तीसरी बार डबल गोल किए हैं। वे वर्ल्ड कप के नॉकआउट मुकाबलों में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उनके 10 गोल हो गए हैं। उन्होंने ब्राजील के दिग्गज लियोनिडास और रोनाल्डो के आठ-आठ गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। एमबाप्पे ने वर्ल्ड कप करियर में 18वां गोल किया है। वे मेसी (19 गोल) के वर्ल्ड रिकॉर्ड से सिर्फ एक गोल पीछे हैं।ओलिसे ने 2 गोल असिस्ट किए फ्रांस ने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। टीम ने स्वीडन पर 25-7 से शॉट लगाए, जिनमें पहले हाफ में 15-3 की बढ़त रही। पहले एमबाप्पे और फिर माइकल ओलिसे की साइकिल किक पोस्ट से टकराई। इसके बाद एमबाप्पे ने ओलिसे के प्रयास पर मिले मौके को गोल में बदला। 53वें मिनट में गुस्ताफ लागरबिएल्के से गेंद छिनने के बाद ऑरेलियन चुआमेनी ने ओलिसे को पास दिया। ओलिसे ने शानदार मूव बनाते हुए बारकोला को गेंद दी और उन्होंने गोल कर बढ़त 2-0 कर दी। तीसरा गोल भी ओलिसे और बारकोला की मदद से एमबाप्पे ने किया।

### आइवरी कोस्ट और नॉर्वे
#### हालैंड ने इस वर्ल्ड कप में 5वां गोल दागा

मंगलवार के आखिरी मैच में नॉर्वे ने आइवरी कोस्ट को 2-1 से हराया। उसने पहली बार प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। नॉर्वे ने वर्ल्ड कप इतिहास में पहली बार नॉकआउट मुकाबला जीता। डलास स्टेडियम में नॉर्वे के लिए एंटोनियो नुसा और एरलिंग हालैंड ने गोल किए। आइवरी कोस्ट से अमाद डियालो ने एकमात्र गोल किया।

एरलिंग हालैंड ने निर्णायक गोल 86वें मिनट में किया। पैट्रिक बर्ग ने पेनाल्टी एरिया में तीन डिफेंडरों को अपनी ओर खींचने के बाद हालैंड को पास दिया और उन्होंने इस टूर्नामेंट में 5वां गोल दाग दिया। 6 जुलाई को नॉर्वे का मुकाबला पांच बार की चैंपियन ब्राजील से होगा।

नॉर्वे के लिए पहला गोल 39वें मिनट में एंटोनियो नुसा ने किया। उन्होंने पेनाल्टी एरिया के बाएं हिस्से से शानदार कर्लिंग शॉट लगाकर गेंद जाल में पहुंचाई। यह उनका पहला वर्ल्ड कप गोल और नॉर्वे के लिए 28 मैचों में 9वां इंटरनेशनल गोल था।

अमाद डियालो ने बराबरी का गोल दागा

आइवरी कोस्ट ने 74वें मिनट में बराबरी की। निकोलस पेपे के साथ वन-टू खेलने के बाद अमाद डियालो ने बाएं पैर से शानदार शॉट लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया। इससे पहले डियालो ने दूसरे हाफ में टॉरब्योर्न हेगेन के शॉट को भी डिफ्लेक्ट कर अपनी टीम को बचाया था।

हालैंड के गोल के बाद आइवरी कोस्ट ने बराबरी की पूरी कोशिश की। स्टॉपेज टाइम के छठे मिनट में डियालो की सीधी फ्री-किक पर गोलकीपर ऑरजान नीलांड ने शानदार बचाव किया। यह मैच में उनका चौथा और सबसे अहम सेव रहा।

## बांग्लादेशी गेंदबाज ताइजुल ने 19वीं बार पांच विकेट लेकर बनाया रिकार्ड

हरारे। यहां खेले गये एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में भले ही बांग्लादेश को जिम्बाब्वे से हार का सामना करना पड़ा हो पर इस मुकाबले में बांग्लादेशी स्पिनर ताइजुल इस्लाम ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किय है। ताइजुल अब टेस्ट क्रिकेट में एक मामले में ऑस्ट्रेलिया तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क से भी आगे निकल गए हैं। ताइजुल ने जिम्बाब्वे की पहली पारी में 40.2 ओवरों में केवल 138 रन देकर 7 विकेट लिए। इस प्रकार ताइजुल ने अपने टेस्ट करियर में 19वीं बार पांच विकेट लिए हैं। इस शानदार प्रदर्शन के साथ ही ताइजुल ने कई रिकार्ड तोड़े हैं। वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा बार 5 विकेट लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाजों में शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। इस प्रकार उन्होंने बांग्लादेश के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के 19 बार पांच विकेट लेने के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है। इसके अलावा उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम टेस्ट में 18 बार पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज है। ताइजुल का यह मुकाम हासिल करना इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने यह उपलब्धि सिर्फ 107 टेस्ट पारियों में हासिल की है। वहीं शाकिब अल हसन ने 19 बार पांच विकेट लेने के लिए 121 पारियां ली थीं, जबकि मिचेल स्टार्क को 18 बार पांच विकेट लेने के लिए 202 पारियां खेलनी पड़ी थीं।ज्यादा फाइव-विकेट हॉल लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाजों में श्रीलंका के रंगना हेराथ 34 बार के साथ शीर्ष पर हैं, उनके बाद पाकिस्तान के वसीम अकरम 25 और न्यूजीलैंड के डैनियल विटोरी 20 का नाम आता है।

## ईशान किशन नंबर-1 टी-20 बल्लेबाज

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन आईसीसी की ताजा मेंस टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने करीब 12 महीने से टॉप पर काबिज अभिषेक शर्मा को पीछे छोड़ा है।

ईशान टी-20 रैंकिंग में नंबर-1 बनने वाले भारत के चौथे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव और अभिषेक शर्मा यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। वहीं, पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 848 रेटिंग अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। ईशान को वर्ल्ड कप के प्रदर्शन का मिला फायदा ईशान किशन ने इस साल की शुरुआत में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसका फायदा उन्हें रैंकिंग में मिला है। ईशान ने वर्ल्ड कप के दौरान लगभग 200 के स्ट्राइक रेट से 317 रन बनाए थे। इसमें कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ खेला गया मैच भी शामिल है, जिसमें वे प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए थे। ताजा रैंकिंग में ईशान के 876 रेटिंग पॉइंट्स हैं।

## बेन स्टोक्स के शानदार क्रिकेट करियर पर एक नजर

**लंदन।** इंग्लैंड के दिग्गज ऑलराउंडर और टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज टेस्ट के चौथे दिन उन्होंने अपने संन्यास का ऐलान कर क्रिकेट जगत को चौंका दिया।

15 साल के अपने शानदार करियर में स्टोक्स ने तीनों फॉर्मेट्स को मिलाकर 279 इंटरनेशनल मैच खेले। उन्होंने अपना आखिरी वाइट-बॉल (वनडे/टी20) मैच भारत में हुए 2023 वनडे वर्ल्ड कप में खेला था। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, घातक गेंदबाजी और कभी हार न मानने वाले जज्बे से उन्होंने टेस्ट क्रिकेट खेलने का तरीका ही बदल दिया।

गेंद और बल्ले, दोनों से उन्होंने ऐसे कीर्तिमान स्थापित किए हैं जो उन्हें क्रिकेट इतिहास के सबसे महान ऑलराउंडर्स की लिस्ट में शुमार करते हैं। आइए, उनके बेमिसाल करियर के आंकड़ों और रिकॉर्ड्स पर एक नजर डालते हैं...

1. 7000+ रन और 250+ विकेट

टेस्ट के इतिहास में 7000 से ज्यादा रन और 250 से ज्यादा विकेट का 'डबल' पूरा करने वाले स्टोक्स दुनिया के केवल दूसरे क्रिकेटर हैं। उनके अलावा द. अफ्रीका के जैक कैलिस (13,289 रन, 292 विकेट) ने यह कारनामा किया है।

2. टेस्ट क्रिकेट के 'सिक्सर किंग'

टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड स्टोक्स (138 छक्के) के नाम दर्ज है। वह टेस्ट में 100+ छक्के लगाने वाले दुनिया के तीन बल्लेबाजों में से एक हैं। इन 138 में से 39 छक्के उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगाए हैं, जो टेस्ट में किसी भी एक टीम के खिलाफ लगाए गए सबसे ज्यादा छक्के हैं।

## फिर पुणे की डायना कैसे बनीं भारत की पहली महिला फेरारी रेसर

शिक्षिका बनने की तैयारी कर रही एक भारतीय महिला ने जिंदगी का सबसे बड़ा जोखिम उठाया और मोटरस्पोर्ट्स की दुनिया में कदम रखा। ताने, हार, दुर्घटनाएं और असफलताएं झेलने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। आज वही महिला अंतरराष्ट्रीय फेरारी रेस में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली भारतीय महिला बन चुकी हैं। यह कहानी सिर्फ रफ्तार की नहीं, बल्कि हिम्मत, विश्वास और सपनों को सच करने की है। एक तरफ सुरक्षित नौकरी थी, दूसरी तरफ रफ्तार से भरी अनिश्चित दुनिया। एक तरफ क्लासरूम में बच्चों को पढ़ाने का सपना था, तो दूसरी तरफ रेसिंग ट्रैक पर खुद को साबित करने की चुनौती। ज्यादातर लोग शायद सुरक्षित रास्ता चुनते, लेकिन डायना पुंडोले ने वह रास्ता चुना, जिस पर न मंजिल तय थी और न ही सफलता की गारंटी। आज वही डायना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फेरारी चलाने वाली पहली भारतीय महिला बन चुकी हैं, लेकिन इस उपलब्धि तक पहुंचने का सफर जितना चमकदार दिखता है, उतना आसान कभी नहीं था। आइए उनकी कहानी जानते हैं...

**पिता का सपना, जिसने बदल दी जिंदगी**

पुणे में पली-बढ़ीं डायना के भीतर रेसिंग का जुनून बचपन से था। उनके पिता फॉर्मूला-1 के बड़े प्रशंसक थे और शायद ही कोई रेस मिस करते हों।

### कमबैक मैच में ही उलटफेर का शिकार हुईं 44 साल की सेरेना विलियम्स; 20 वर्षीय किस खिलाड़ी ने चौंकाया?

**नईदिल्ली।** 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना विलियम्स का विंबलडन 2026 में सिंगल्स कमबैक पहले ही दौर में समाप्त हो गया। 20 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी माया जॉइंट ने सेंटर कोर्ट पर तीन सेट तक चले मुकाबले में सेरेना को 6-3, 6-7(6), 6-3 से हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की।
23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना विलियम्स का विंबलडन 2026 में सिंगल्स कमबैक पहले ही दौर में समाप्त हो गया। ऑल इंग्लैंड क्लब के सेंटर कोर्ट पर खेले गए मुकाबले में 20 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी माया जॉइंट ने तीन सेटों तक चले रोमांचक मुकाबले में 6-3, 6-7(6), 6-3 से जीत दर्ज कर अपने करियर की सबसे बड़ी सफलता हासिल की। माया जॉइंट की यह विंबलडन में पहली जीत भी रही। खास बात यह है कि वह जनवरी से लगातार 11 टूर-लेवल मुकाबले हारकर इस टूर्नामेंट में उतरी थीं। अब दूसरे दौर में उनका सामना एलेक्जेंड्रा ईला से होगा।
दूसरे सेट में की वापसी, लेकिन जीत नहीं सकीं सेरेना
मुकाबले में माया ने पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया। दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में सेरेना ने पहला मैच प्वाइंट बचाया और शानदार वापसी करते हुए सेट जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। निर्णायक सेट में उन्होंने शुरुआती बढ़त भी बनाई, लेकिन युवा ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए सेरेना की सर्विस पांच बार तोड़ी और मैच अपने नाम कर लिया। माया ने मुकाबले में 10 ऐस भी लगाए।

# स्वियातेक-अनिसिमोवा और ज्वेरेव विंबलडन के अगले राउंड में पहुंचे; शेल्टन पहले दौर में बाहर

**मंबई।** विंबलडन 2026 में मंगलवार का दिन रोमांच और उलटफेर से भरा रहा। महिला वर्ग में मौजूदा चैंपियन इगा स्वियाटेक ने संघर्षपूर्ण जीत के साथ दूसरे दौर में जगह बनाई, जबकि अमांडा अनिसिमोवा और कैरोलिना प्लिस्कोवा ने भी जीत दर्ज की। पुरुष वर्ग में चौथी वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन पहले ही दौर में बाहर हो गए। वहीं, अलेक्जेंडर ज्वेरेव, जिरी बर्ग्ज, याकुब मेंसिक और टेलर फ्रिट्ज ने अगले दौर में प्रवेश किया। विंबलडन 2026 में मंगलवार का दिन रोमांच, संघर्ष और बड़े उलटफेरों के नाम रहा। महिला वर्ग में मौजूदा चैंपियन इगा स्वियातेक को पहले दौर में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए दूसरे दौर में जगह बनाई। दूसरी ओर पुरुष वर्ग में दिन का सबसे बड़ा उलटफेर तब हुआ, जब दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी और चौथी वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन पहले ही दौर में हारकर बाहर हो गए। वहीं, फ्रेंच ओपन चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव, जिरी बर्ग्ज, याकुब मेंसिक और टेलर फ्रिट्ज ने जीत के साथ अपने अभियान को आगे बढ़ाया।

### स्वियातेक ने मुश्किल मुकाबला जीतकर बचाई प्रतिष्ठा

विश्व नंबर-3 और मौजूदा चैंपियन इगा स्वियाटेक ने अमेरिकी खिलाड़ी टेलर टाउनसेंड को 6-1, 2-6, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। पहला सेट आसानी से जीतने के बाद स्वियाटेक दूसरे सेट में लय खो बैठीं, लेकिन निर्णायक सेट में शानदार वापसी करते हुए दो घंटे दो मिनट में मैच अपने नाम कर लिया। इसी जीत के साथ स्वियाटेक उन चुनिंदा मौजूदा चैंपियनों की सूची में शामिल होने से बच गईं, जो विंबलडन के पहले दौर में बाहर हुए हैं। उनके अलावा अमांडा अनिसिमोवा ने लीना ग्योर्चेस्का को 6-3, 6-2 और पूर्व विश्व नंबर-1 कैरोलिना प्लिस्कोवा ने टेरेसा वैलेंटोवा को 6-3, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई।

# वीबी जीरामजी प्रदेश में लागू, इस योजना में ग्रामीण क्षेत्र की और गांव के छोटी - छोटी मांगों को पूरा करने का लक्ष्य- जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप

**वीबी जीरामजी योजना के तहत ग्रामीण श्रमिकों को 125 दिन की रोजगार और मजदूरी दर 261 से बढ़कर हुई 300 रुपए प्रतिदिन**

## केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री का वर्चुअल कार्यक्रम में शामिल हुए जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ

जगदलपुर/मूक पत्रिका

**पवन कुमार नाग** -भारत सरकार द्वारा विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत अकुशल श्रमिकों के लिए नई मजदूरी दरें अधिसूचित की गई हैं। नई दरें 1 जुलाई 2026 से प्रभावी हो गई हैं। 2 जुलाई गुरुवार को तिरुपति, आंध्र प्रदेश से केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस वर्चुअल कार्यक्रम में और जिला स्तरीय कार्यक्रम जगदलपुर के टाउन हॉल में आयोजित किया गया जिसमें जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, उपाध्यक्ष बलदेव मंडावी, कलेक्टर आकाश छिकारा, जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन, जिला पंचायत सदस्य, तोकापाल और दरभा पंचायत के अध्यक्ष भी शामिल हुए। नई व्यवस्था के तहत छत्तीसगढ़ में ग्रामीण श्रमिकों की मजदूरी दर को 261 रुपए प्रतिदिन से बढ़ाकर 300 रुपए प्रतिदिन कर दिया गया है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों को आर्थिक लाभ मिलेगा तथा ग्रामीण आजीविका को और मजबूती मिलेगी।भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों के लिए संशोधित मजदूरी दर निर्धारित की गई है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के लिए विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) एक महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना में ग्रामीण क्षेत्र की और गांव के छोटी छोटी मांगों को पूरा करने का लक्ष्य है इसमें सड़क, तालाब, स्कूल जैसी आवश्यकता वाले कार्यों को ग्राम सभाओं में पारित कर सके। गांव के विकास के साथ-साथ प्रदेश का विकास किया जाना है।यह योजना केवल रोजगार उपलब्ध कराने की योजना नहीं है, बल्कि विकसित भारत 2047 के संकल्प को ग्राम स्तर तक साकार करने का एक व्यापक अभियान है। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र ग्रामीण परिवार को प्रति वित्तीय वर्ष 125 दिनों के गारंटीकृत रोजगार का प्रावधान किया गया है, जिससे आजीविका सुरक्षा के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करने के उद्देश्य से मजदूरी भत्ता 300 रुपये प्रतिदिवस किया गया है। वीबी जीरामजी के माध्यम से जल संरक्षण, ग्रामीण आधारभूत संरचना, आजीविका संवर्धन एवं टिकाऊ विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि प्रत्येक ग्राम पंचायत आत्मनिर्भर और समृद्ध बन सके। इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण परिवारों को वर्ष में 125 दिनों तक रोजगार की गारंटी, 15 दिवस के भीतर मजदूरी भुगतान, बेरोजगारी भत्ता, डिजिटल जॉब कार्ड एवं तकनीक आधारित कार्य प्रबंधन प्रणाली, समयबद्ध एवं पारदर्शी भुगतान व्यवस्था प्राप्त होगी। वीबी जीरामजी में जल संरक्षण, सिंचाई, ग्रामीण सड़क, वृक्षारोपण एवं टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण के साथ ग्रामीण युवाओं के लिए कौशल विकास एवं आजीविका पर जोर दिया गया है। अब ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की कार्ययोजना ग्राम सभा के माध्यम से तैयार की जाएगी, जिससे स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यों का चयन किया जा सकेगा। इस योजना के संबंध में जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन ने बताया कि यह महत्वाकांक्षी योजना वास्तव में महात्मा गांधी नरेगा योजना का ही एक अत्यंत परिष्कृत, उन्नत और तकनीकी रूप है, जो ग्रामीण परिदृश्य को पूरी तरह से बदलने की क्षमता रखती है। इस योजना के तहत न केवल रोजगार के अवसरों में अभूतपूर्व विस्तार किया गया है,बल्कि श्रमिकों के आर्थिक कल्याण और सामाजिक सुरक्षा को भी सर्वोपरि रखा गया है। इस नई व्यवस्था के तहत रोजगार की गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर अब 125 दिन कर दिया गया है, जो ग्रामीण परिवारों को अधिक स्थिरता प्रदान करेगा। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य के लिए मजदूरी की दर में भी एक ऐतिहासिक बढ़ोतरी की गई है, जिसके तहत पूर्व में मिलने वाली 261 रूपए की मजदूरी को 10 प्रतिशत से भी अधिक बढ़ाते हुए अब 300 रूपए प्रतिदिन तय कर दिया गया है। श्रमिकों के हितों का ध्यान रखते हुए इसमें यह प्रावधान भी जोड़ा गया है कि यदि किसी भी व्यक्ति को उसके निवास स्थान से 5 किलोमीटर की परिधि से बाहर कार्य दिया जाता है, तो उसे मिलने वाली राशि में 10 प्रतिशत का अतिरिक्त भत्ता शामिल किया जाएगा। इस योजना की सबसे अनूठी बात इसका श्स्पेशल इंक्लूजन मैट्रिक्स है, जिसके अंतर्गत समाज के सबसे कमजोर और संवेदनशील वर्गों जैसे एकल महिलाओं, दिव्यांगजनों, 60 वर्ष से अधिक उम्र के वृद्धजनों, ट्रांसजेंडर समुदाय, बंधुआ मजदूरी से मुक्त कराए गए लोगों तथा पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों) को काम देने में विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। अब पुराने पारंपरिक जॉब कार्ड के स्थान पर एक नया सुरक्षा फीचर्स से लैस ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड जारी होगा, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का एक विशिष्ट पॉलिसी नंबर दर्ज होगा, जिसके जरिए उन्हें आवश्यक बीमा और अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ मुहैया कराए जाएंगे।

## बेमेतरा आईटीआई में डाटा एंट्री ऑपरेटर के लिए आवेदन आमंत्रित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

संस्थान प्रबंधन समिति (आईएमसी), शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) बेमेतरा द्वारा आईएमसी के अंतर्गत संचालित कार्यालयीन कार्य के लिए वैकल्पिक व्यवस्था के तहत डाटा एंट्री ऑपरेटर पद हेतु निर्धारित प्रारूप में आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।इच्छुक अभ्यर्थी 16 जुलाई 2026 को शाम 5:00 बजे तक अपना आवेदन निर्धारित प्रारूप में शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, बेमेतरा (पिन कोड-491335) में स्पीड पोस्ट अथवा पंजीकृत डाक के माध्यम से जमा या प्रेषित कर सकते हैं। भर्ती संबंधी विस्तृत विज्ञापन संस्था के सूचना पटल पर उपलब्ध है। आवेदन पत्र का निर्धारित प्रारूप कार्यालय प्राचार्य/संस्था प्रमुख, शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, बेमेतरा से कार्यालयीन समय में प्राप्त किया जा सकता है। इसके अलावा अभ्यर्थी जिला बेमेतरा की आधिकारिक वेबसाइट https://bemetara.gov.in से भी आवेदन पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

# मेडिकल छात्रों को यातायात नियमों का दिया गया प्रशिक्षण, सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

## राहवीर योजना, महिला सुरक्षा और साइबर अपराध से बचाव की भी दी गई जानकारी

कांकेर/मूक पत्रिका

**विक्रम ठाकुर/:-** कांकेर 2 जुलाई कांकेर पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से गुरुवार को शासकीय मेडिकल कॉलेज, नंदनमारा में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीश्रीमाल, योगेश साहू एवं उप पुलिस अधीक्षक डॉ. मेघलेन्द्र प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में मेडिकल छात्रों को सुरक्षित यातायात के नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक दीपक साव एवं यातायात पुलिस टीम ने छात्रों को सड़क पर सुरक्षित चलने के तरीके, ट्रैफिक संकेतों एवं सिग्नलों का महत्व, हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, ओवरस्पीडिंग से बचने तथा शराब पीकर वाहन नहीं चलाने के संबंध में जागरूक किया। प्रोजेक्टर के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े वीडियो दिखाकर नियमों की अनदेखी के दुष्परिणाम भी समझाए गए। इस दौरान सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाने पर शासन द्वारा राहवीर योजना के तहत 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दिए जाने की जानकारी भी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के समय एम्बुलेंस या पुलिस का इंतजार किए बिना घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाई जा सकती है। कार्यक्रम में महिला सुरक्षा, अभिव्यक्ति ऐप तथा साइबर अपराधों से बचाव के उपायों पर भी छात्रों को जानकारी दी गई। इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. टीकम ध्रुव सहित लगभग 200 मेडिकल छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# पहली ही बारिश में बेमेतरा शहर की खुली व्यवस्थाओं की पोल, चौपाटी के सामने सड़क बनी तालाब

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कई दिनों से बारिश का इंतजार कर रहे बेमेतरा शहरवासियों के लिए गुरुवार की पहली तेज बारिश राहत के साथ परेशानी भी लेकर आई। शहर के मुख्य बस स्टैंड से करीब 100 मीटर की दूरी पर स्थित चौपाटी के सामने सड़क पर भारी जलभराव हो गया, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

बारिश के दौरान सड़क पर पानी भर जाने से दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही। जलभराव के कारण लोगों को पानी से होकर गुजरना पड़ा, वहीं दुर्घटना की आशंका भी बनी रही।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस क्षेत्र में बारिश के पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण हर वर्ष बारिश के समय यही स्थिति निर्मित होती है। उनका कहना है कि समस्या से नगर प्रशासन को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया है।शहरवासियों ने नगर प्रशासन से मांग की है कि जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए इस समस्या का स्थायी समाधान किया जाए, ताकि आगामी बारिश के दौरान लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। अब देखना होगा कि नगर प्रशासन इस गंभीर समस्या को कितनी प्राथमिकता देता है और जलभराव से राहत दिलाने के लिए कब तक प्रभावी कदम उठाए जाते हैं।

# 37 बंद स्कूल फिर से खुले, अब गांव के बच्चों को घर के पास मिलेगी पढ़ाई

## जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में सांसद महेश कश्यप ने किया शुभारंभ, नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर किया स्वागत; मेधावी छात्र और शिक्षक भी सम्मानित

बीजापुर/मूक पत्रिका

**आशीष पदमवार।** जिले में शत-प्रतिशत नामांकन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार को एजुकेशन सिटी में जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद महेश कश्यप ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर, पुष्प भेंट कर और अध्ययन सामग्री देकर आत्मीय स्वागत किया। बच्चों को नवीन गणवेश, स्कूल बैग और अन्य शैक्षणिक सामग्री भी वितरित की गई।कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लंबे समय से बंद पड़े 37 विद्यालयों का दोबारा संचालन रहा। सांसद महेश कश्यप ने इन विद्यालयों का शुभारंभ करते हुए कहा कि अब दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों के बच्चों को अपने गांव के पास ही पढ़ाई का अवसर मिलेगा। इससे स्कूल छोड़ चुके बच्चों को भी दोबारा शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज और राष्ट्र के विकास की मजबूत नींव है। केंद्र और राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए लगातार काम कर रही हैं। बंद स्कूलों का दोबारा शुरू होना बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को नियमित स्कूल भेजने और शिक्षकों से पूरी निष्ठा के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का आह्वान किया।

जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम्रता चौबे ने कहा कि जिला प्रशासन प्रत्येक बच्चे को शिक्षा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा ने बालिका शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए अभिभावकों से सभी बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने की अपील की।कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, नगर पालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष पुलैया पेरे, नगर पालिका उपाध्यक्ष भुवन सिंह चौहान, जनपद पंचायत अध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधि, शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक, छात्र-छात्राएं, पालक और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

### शाला प्रवेशोत्सव की खास बातें

- जिले के 37 बंद विद्यालयों का दोबारा संचालन शुरू।
- नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर और अध्ययन सामग्री देकर स्वागत।
- गणवेश, स्कूल बैग और शैक्षणिक सामग्री का वितरण।
- मेधावी विद्यार्थियों और उत्कृष्ट शिक्षकों का सम्मान।
- दूरस्थ गांवों के बच्चों को अब घर के पास मिलेगी पढ़ाई की सुविधा।

## केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया वर्चुअल जनसम्मेलन

# वीबी जीराम जी : विकसित भारत रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) देश में लागू

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

विकसित भारत रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन, ग्रामीण (वीबी जीराम जी) 1 जुलाई से लागू हुआ है, जिसके प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में राज्य स्तरीय जन सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वर्चुअल माध्यम से प्रदेशभर के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं ग्रामीण विकास से जुड़े कर्मचारियों को संबोधित किया। उन्होंने ग्रामीण रोजगार, आजीविका संवर्धन, आत्मनिर्भर ग्रामों के निर्माण तथा विभिन्न विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिले में इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिला पंचायत के सभा कक्ष में किया गया, जहां अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीण विकास विभाग के कर्मचारियों ने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में भाग लिया तथा केंद्रीय मंत्री का संबोधन सुना। कार्यक्रम में कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी इंद्रजीत बर्मन, जनपद पंचायत सारंगढ़ सीईओ राधेश्याम नायक, बरमकेला जनपद पंचायत सीईओ अजय पटेल सहित गणमान्य नागरिक ज्योति लाल पटेल, जिले के सभी रोजगार सहायक तथा तीनों जनपद क्षेत्रों के सरपंच संघ के अध्यक्ष उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, रोजगार सृजन, आजीविका के नए अवसरों तथा ग्राम पंचायतों की सहभागिता को और मजबूत बनाने पर विशेष बल दिया गया।

उपस्थित सभी अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम से प्राप्त मार्गदर्शन को जिले में प्रभावी रूप से लागू करने का संकल्प लिया। उल्लेखनीय है कि वीबी जीराम जी को मनरेगा के स्थान पर लागू किया है। मनरेगा के कार्यों में बहुत कार्यों और शक्ति को जोड़कर उसे वीबी जीराम जी बनाया गया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।